वैशाख कृष्ण पक्ष-8, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 315 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26
भोपाल
01 मई 2024 बुधवार

आज का मौसम
38 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page- 7

भिंड-मुरैना में लोकसभा चुनाव नए रंग में आया, कल प्रियंका का दौरा

मुकाबला हुआ कड़ा, नई आमदों से भाजपा चाहती है चंबल में नई उड़ान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव में तीसरे चरण के मतदान के पहले राजनीतिक दलों का प्रचार अभियान चरम पर पहुंच गया है। नयी नयी आमद से भाजपा में जबर्दस्त उत्साह है। वहीं, कांग्रेस एक के बाद एक लग रहे झटकों से उबरने की कोशिश रही है। वहीं रावत के आने के बाद मुरैना-श्योपुर लोकसभा सीट पर भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। श्योपुर जिले में सीएम मोहन यादव और प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने बड़ी सभाएं कर बीजेपी के पक्ष में वोट मांगे। आज भी सीएम यादव सागर के बाद ग्विलयर व भंड के दौरे पर हैं। भाजपा का दामन थाम चुके रामनिवास रावत ने साफकर दया है क कांग्रेस ने मेरे साथ कई दफा नाइंसाफी की। ऊपर से इस बार टिकट भी ऐसे प्रत्याशी को दे दिया जिसने मेरे खिलाफ दो बार बूथ कैप्चरिंग की। इससे मुरैना व भंड में चुनाव तीखा हो चला है। रावत ने कहा, कई मौके ऐसे आए जब मुझे पद दिए जा सकते थे, लेकिन उन्होंने हर बार मेरे साथ नाइंसाफी की। इस बार तो कांग्रेस ने लोकसभा में ऐसे प्रत्याशी को टिकट दे दिया, जिसने मेरे 2 लोकसभा चुनावों में मेरे खिलाफ बूथ कैप्चरिंग कराई। वो एक भी दिन पार्टी का सदस्य नहीं रहा। अब अपने क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा में शामिल हुआ हूं। विकास के लिए राशि लेना और विकास के लिए काम स्वीकृत करना यही मेरी शर्तें हैं। कांग्रेस को अब मुरैना को लेकर स्टार प्रचारक प्रयंका गांधी से उम्मीद है जो कल आ रही हैं।

7 तक पटवारी भी भाजपा में न आ जाएं !

मप्र सरकार के मंत्री गिवंद राजपूत ने कहा है कि जिस तरह से कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं, मुझे लगता है कि सात मई तक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी भाजपा में न आ जाएं। पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल पर राजपूत ने कहा क पटवारी के गृह जिले का कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम जिस तरह से कांग्रेस से चुनाव न लड़ने की बात कहते हुए भाजपा में आया है, उससे यह लगता है कि जीतू पटवारी भी सात मई तक भाजपा में न आ जाएं। उन्होंने कहा कि बम कांग्रेस का प्रत्याशी तो था, साथ में वह जीतू पटवारी का पंसदीदा प्रत्याशी था

रूपा गांगुली भाजपा में

टीवी इंडस्ट्री का बडा चेहरा व फेमस एक्ट्रेस रुपाली गांगुली राजनीति में नया कदम रख रही हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी जॉइन कर ली है। रुपाली के साथ ही फिल्म डायरेक्टर अमय जोशी भी पॉलिटिक्स से जुड़ने जा रहे हैं और वो भी बीजेपी का दामन थामेंगे।

अब कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष ने की खुदकुशी की कोशिश, अमेठी से टिकट फाइनल न होने से खफा

अमेठी । अमेठी के गौरीगंज स्थित कांग्रेस भवन परिसर में मंगलवार की देर शाम ब्लॉक अध्यक्ष ने खुदकुशी की कोशिश की। उन्होंने पेड़ पर फंदा डालकर लटकने का प्रयास किया। हालांकि समय रहते कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उन्हें बचा लिया। जानकारी के अनुसार, ब्लॉक अध्यक्ष अवनीश मिश्रा सेनानी ने अमेठी से अब तक टिकट फाइनल नहीं होने से खफा होकर यह कदम उठाने की कोशिश की। वह कांग्रेस सांसद और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने की मांग कर रहे हैं। इससे पहले, अमेठी लोकसभा सीट पर कांग्रेस के प्रत्याशी को लेकर निर्णय न होने से कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का धैर्य जवाब दे गया। दावेदार के नाम को लेकर चल रही उलझन के बीच मंगलवार की शाम को कांग्रेस भवन में कार्यकर्ताओं ने धरना दिया।

गृहमंत्री के फर्जी वीडियो का मामला
अब तक 8 राज्यों में 16 को नोटिस

नई दिल्ली । गृहमंत्री अमित शाह के फर्जी वीडियो के मामले में दिल्ली पुलिस ने अब तक 8 राज्यों में 16 से ज्यादा लोगों को नोटिस जारी किए हैं। इनमें हरियाणा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कैप्टन अजय यादव भी शामिल हैं। पुलिस कहना है कि फर्जी वीडियो को एक्स पर डालने वाले 25 से ज्यादा लोगों के नाम सामने आ चुके हैं। काफी वीडियो डिलीट करवा दिए गए हैं, लेकिन इसके बाद भी लोग इसे एक्स पर पोस्ट कर रहे हैं। जिन लोगों ने अपने हैंडल से इसे पोस्ट किया है, पुलिस उन सभी को पूछताछ के लिए बुला रही है।

'हिंदू विवाह संस्कार है, नाच-गाने का आयोजन नहीं', तलाक मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली , एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, जिसे भारतीय समाज में पवित्र संस्था का दर्जा हासिल है। यह नाचने गाने का आयोजन नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा, हिंदू विवाह को वैध बनाने के लिए इसे उचित संस्कारों व रीतियों के साथ किया जाना चाहिए। विवाह से जुड़ी रीतियों का निष्ठापूर्वक पालन होना चाहिए। शीर्ष कोर्ट ने कहा, विवादों के मामले में रीतियों के पालन का प्रमाण पेश करना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी जरूरतों व पवित्रता को स्पष्ट किया। जस्टिस बीवी नागरत्ना व जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा, पारंपरिक संस्कारों या सप्तपदी जैसी रीतियों के बिना की गई शादी को हिंदू विवाह नहीं माना जाएगा। दूसरे शब्दों में, अधिनियम के तहत वैध विवाह के लिए अपेक्षित रीतियों का पालन करना होगा। ऐसा न करने पर वह अधिनियम की धारा 7 के अनुसार हिंदू विवाह नहीं होगा। कोर्ट ने कहा, हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 8 के तहत शादी का पंजीकरण विवाह के सबूत की सुविधा देता है, पर यह तब तक उसे वैधता नहीं देता है, जब तक विवाह अधिनियम की धारा 7 के अनुसार संपन्न नहीं हुआ हो।

...तो नहीं हो सकता विवाह का पंजीकरण

पीठ ने कहा, यदि हिंदू विवाह रीति-रिवाज के अनुसार नहीं किया गया है, तो पंजीकरण नहीं हो सकता। वैध हिंदू विवाह के अभाव में पंजीकरण अधिकारी अधिनियम की धारा 8 के प्रावधानों के तहत ऐसी शादी को पंजीकृत नहीं कर सकता।

पत्थर खदान में विस्फोट से 3 की मौत, राहत और बचाव कार्य जारी

चेन्नई । तमिलनाडु के विरुद्धनगर जिले में करियापट्टी इलाके में एक पत्थर खदान में हुए विस्फोट में तीन लोगों की मौत की खबर है। घटना बुधवार सुबह की है। फिलहाल घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है और अग्निशमन विभाग की टीम भी मौके पर मौजूद है। इससे पहले तमिलनाडु में मंगलवार शाम को हुए एक अन्य सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई थी और 15 लोग घायल हुए थे। दरअसल एक निजी बस यात्रियों को लेकर यरकौड से सेलम जा रही थी। सेलम में यरकौड घाट रोड पर बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

ढाई लाख करोड़ का है कारोबार

सबसे पुराना कारोबारी घराना गोदरेज भी बंटा

मुंबई , एजेंसी।

भारत के सबसे पुराने कारोबारी घराने के शुमार गोदरेज फैमिली का नाम भी सबसे पहले आता है। रियल एस्टेट से कंज्यूमर प्रोडक्ट्स तक इस परिवार का कारोबार फैला है, लेकिन अब 127 साल पुरानी इस घराने में बंटवारा हो गया है और समूह का बिजनेस दो हिस्सों में बंट गया है। बाजार में लिस्टेड गोदरेज फर्में आदि गोदरेज और उनके भाई नादिर गोदरेज के हिस्से में आई हैं, तो वहीं ग्रुप की नॉन-लिस्टेड कंपनियां चचेरे भाई जमशेद और उनकी बहन स्मिता को मिला है. ग्रुप की टोटल वैल्यू करीब 2.34 लाख करोड़ रुपये है। इस बंटवारे को लेकर एक समझौते पर साइन होने के बाद ग्रुप का कारोबार बांटे जाने का ऐलान किया गया है। ग्रुप की पांच कंपनियां शेयर बाजार में

लिस्टेड हैं और इनमें गोदरेज इंडस्ट्रीज गोदरेज कंज्यूमरप्रोडक्ट्स , गोदरेज प्रोपर्टीज), गोदरेज एग्रोवेट और एस्टेक लाइफ साइंसेज शामिल हैं। इनकी जिम्मेदारी 82 साल के आदि गोदरेज और उनकी भाई 73 साल के नादिर गोदरेज को मिली है।

डीपीएस समेत कई नामी स्कूलों में बम रखने के ईमेल से हड़कंप

नई दिल्ली , एजेंसी।

आज राजधानी व नोएडा के कई स्कूलों को धमकी भरे ईमेल किए गए हैं, जिसमें इन स्कूलों में बम रखे होने की खबर से हड़कंप मचा रहा। इनमें द्वारका का डीपीएस , मयूर विहार का मदर मैरी और नई दिल्ली के संस्कृति स्कूल के अलावा नोएडा के डीपीएस जैसे हाई प्रोफाइल स्कूल शामिल हैं। इस धमकी के बाद छात्रों को आनन-फानन में घर भेज दिया गया।

खबरों के अनुसार द्वारका के हाई प्रोफाइल डीपीएस स्कूल में बम रखे होने की धमकी दी गई। सुबह छह बजे दमकल विभाग को इसकी जानकारी दी गई, जिसके बाद दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची. पूरे स्कूल की तलाशी की गई।.पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार के मदर मैरी स्कूल को भी एक धमकी भरा ईमेल मिला है. पूरे स्कूल को खाली करवाकर तलाशी ली जा रही है. इसी तरह की धमकी नई दिल्ली के संस्कृति स्कूल को भी ईमेल के जरिए मिली. स्कूल में बम रखे होने की धमकी मिलने के बाद पूरे स्कूल को खाली करवाया गया। धमकी भरा ईमेल वसंत कुंज के DPS स्कूल और दक्षिण पश्चिम जिले के DAV स्कूल को भी किया गया है। पुष्प विहार के एिमटी स्कूल को भी बुधवार सुबह 4.30 बजे धमकी भरा ईमेल किया गया था, जिसमें स्कूल में बम रखे होने की बात कही गई।

कोविशील्ड मामले को लेकर मचा हंगामा

नई दिल्ली , एजेंसी।

ब्रिटेन की फार्मास्युटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका द्वारा यह स्वीकार करने के बादकि कोविड-19 वैक्सीन से कुछ दुर्लभ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, हंगामा मच गया है। भारत के सीरम इंस्टीट्यूट ने एस्ट्राजेनेका के फॉर्मूले से ही कोविशील्ड वैक्सीन को मैन्युफैक्चर किया था। ब्रिटेन की मीडिया के अनुसार, कंपनी के खिलाफ 51 मुकदमे चल रहे हैं. दर्जनों मामले ऐसे हैं जिनमें यह आरोप लगाया है कि टीके के कारण जानें गई हैं और कई लोग गंभीर रूप से बीमार पड़े हैं.

वहीं, इसी बीच एस्ट्राजेनेका ने एक मीडिया हाउस से चचाई में कहा है कि 'हमारी सहानुभूति उन लोगों के साथ है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है या जिन्हें इससे स्वास्थ्य समस्या हुई हैं. मरीजों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हमारे अधिकारियों के पास टीकों सहित सभी दवाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट और कड़े मानक हैं'

हैदराबाद के अपोलो हॉस्पिटल में

न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुधीर कुमार ने कहा कि एस्ट्राजेनेका ने कोर्ट में स्वीकार किया है कि कोविशील्ड और वैक्सजेवरिया ब्रांड नामों के तहत बेची जाने वाली उनकी वैक्सीन के टीटीएस (थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम विद थ्रोम्बोसिस) नामक साइड इफेक्ट्स होने की संभावना बहुत ही कम है. पहले भी एक्वायर्ड टीटीएस कोविड के टीकों समेत कई अन्य टीकों के प्रतिकूल प्रभाव से जुड़ा रहा है।

अनैतिक कार्य के मामले में दो आचार्यों पर केस दर्ज

उज्जैन, दोपहर मेट्रो।

बड़नगर रोड स्थित दांडी आश्रम में पंडिताई की शिक्षा ग्रहण करने वाले तीन किशोरों के साथ अनैतिक कार्य करने का मामला सामने आया है। महाकाल पुलिस ने देर रात दो आरोपित आचार्य के खिलाफ केस दर्ज किया है। एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दूसरा आरोपित फरार है। खबौ के मुतिबक बड़नगर रोड स्थित दांडी आश्रम में देवास, मंदसौर और राजगढ़ जिले के तीन किशोर पंडिताई की शिक्षा ग्रहण करते हैं?। आरोप है कि आश्रम के आचार्य अजय और राहुल ने किशोरों के साथ अनैतिक कृत्य किया है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ बालकों का संरक्षण

अधिनियम 2012 की धारा 7, 8, 9पी और 10 के तहत केस दर्ज किया है। वहीं देवास जिले के किशोर की शिकायत पर आरोपित अजय के खिलाफ लैंगिक अधिनियम की धारा 11 एवं 12 के तहत केस दर्ज किया है।

सियासत

किस कस्तूरी की खोज में भाजपा का मृग!

बगावत का भाव शायद कभी खत्म नहीं होता, रामनिवास रावत जैसे पुराने कांग्रेसी को देखकर यही माना जा सकता है। रावत ने 28 साल पहले मंत्री रहते हुए बीडड़ में कूदने की धमकी देकर पहली बार अपना बगावती तेवर दिखाया था, तब दिग्विजय सिंह सीएम थे और रावत माधवराव सिंधिया के खास सिपाही। वे महज एक अफसर से परेशान थे। मगर आश्चर्यजनक रूप से वे चार साल पहले मप्र के सबसे बड़े बगावती जत्थे के 'सरदार' ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में भाजपा में पलायन करने तैयार नहीं हुए। अब किसके कमांड में वे गए हैं, वे जानते होंगे। पर, रावत क्या कांग्रेस के उन औचक या अनगढ़ प्रयोगों की चपेट में आ गए, जो कई पुराने लोगों को परेशान कर रहे हैं? जाहिर तौर पर तो यही लगता है कि वे पार्टी के हालिया प्रत्याशी चयन से नाराज थे। इसके अलावा वे खुद बतौर नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस का प्रयोग बनना चाहते थे। मंत्री दर्जा वाले इस पद की उनकी चाह अब भाजपा अपनी सरकार में उन्हें मंत्री बनाकर पूरी करेगी, लेकिन यह किसी बागी की असल जीत नहीं बल्कि बेवफाई का पारितोषिक मात्र ही होगी।

अर्थात्
आशीष दुबे

रावत की तरह इंदौर के अक्षय कांति बम की हसरतों या डर का भी इलाज भाजपा में हो जाएगा। वैसे तो, रावत के सामने अक्षयबम हर मामले में बहुत बौने हैं लेकिन रावत अब न सिर्फ बम के कद से नापे जाएंगे बल्कि बगावत के मामले में भी रावत का 'साहस' बम के बाद ही गिना जाएगा।

हालांकि कौतुहल इस पर है कि अपने बेहतरीन दौर से गुजर रही भाजपा के भीतर वह कौन सा संशय है, जो उसे चुनावी मैदान के 'अलिखित मगर मान्य नियमों' से परे जाने के लिए विवश कर रहा है। यह जीत को बहुत बड़ा बनाने या दिखाने की अंतहीन कवायद है या नेताओं की अपनी-अपनी सीआर सुधारने का जतन जो भी हो,यह विपक्ष के प्रति नेहरू या अटलबिहारी वाजपेयी युग की रीत से नितांत उलट नजर आता है। यह भी साफ है कि कांग्रेस अपने नेताओं को अनुशासित व समर्पित के साथ संतुष्ट नहीं बना सकी है। जैसा भाजपा करती जा रही है। इसलिए फिलहाल तो भाजपा की जीत की कस्तूरी उसकी ही 'नाभि' में छिपी है, लेकिन इसकी गंध वह दूसरों के जंगलों में व्याकुल होकर खोज रही है। इसीलिए सूरत से लेकर इंदौर और थोडा बहुत खजुराहो उसके हरे-भरे जंगलों में 'सहरा' नजर आता है।

भीषण गर्मी के बीच जेपी अस्पताल में बढ़ी मरीजों की संख्या, बच्चे अधिक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भीषण गर्मी के बीच उल्टी-दस्त, खराश, जुकाम, खासी, बदन दर्द और बुखार के मामले में इजाफा हुआ है। राजधानी के जेपी अस्पताल के ओपीडी में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मंगलवार को मेडिसिन विभाग में ही 350 से अधिक मामले पहुंचे हैं। वहीं ओपीडी में भी मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। इसमें बच्चों की संख्या अधिक है। स्थिति यह है कि बच्चों के बेड फुल हो चुके हैं। छोटे बच्चों में वायरल के साथ उल्टी दस्त और पानी की कमी के मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। राजधानी भोपाल में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है दिन में तेज धूप के अलावा निर्माण कार्य के चलते धूल और वायु प्रदूषण के कारण गले में खराश, जुकाम, खासी, बदन दर्द और बुखार, अस्थमा अटैक जैसे मामले बढ़े रहे हैं।

छोटे बच्चों में वायरल के साथ उल्टी दस्त और पानी की कमी के मामले बढ़े

सीजनल रोग, सावधानी बरतना बेहद जरूरी

डॉक्टरों के अनुसार, वर्तमान में सबसे अधिक मामले बच्चों में वायरल, डायरिया, निमोनिया और उल्टी दस्त के आ रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा प्रभावित बच्चे गर्मी से हो रहे हैं। यह सीजनल रोग है इसमें सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। पिछले कुछ दिनों में बच्चों की ओपीडी संख्या 70 से बढ़ाकर 160 के पार पहुंच गई है। इसमें डायरिया की संख्या ज्यादा है। इसके लिए अभिभावकों को सलाह दे रहे हैं कि वह अपने बच्चों को बाहर लेकर नहीं जाएं। साथ ही ओआरएस का सेवन कराएं। बच्चों के स्वास्थ्य में जरा बदलाव दिखने पर तुरंत डाक्टर को दिखाएं, जिससे समय रहते बीमारी को फैलने से रोका जा सके।

बीयू ने जारी नहीं की संबद्धता सूची, 25 अप्रैल तक लॉक करनी थी कॉलेजों की प्रोफाइल

कॉलेज प्रवेश: आज से यूजी, पीजी में प्रवेश के लिए कल से होंगे पंजीयन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के करीब 1300 कॉलेजों में प्रवेश के लिए प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। हालांकि इन कॉलेजों में कितने कॉलेज काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल होंगे इसको लेकर संशय बरकरार है। अब तक बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) द्वारा संबद्धता की सूची जारी नहीं की गई है। विभाग ने विवि को ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल होने वाले कॉलेजों की प्रोफाइल 25 अप्रैल तक लॉक करने के निर्देश दिए थे, लेकिन कई कॉलेज इस प्रक्रिया को पूरा नहीं कर सके हैं। उल्लेखनीय है कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी समय-सारणी के अनुसार, यूजी कोर्स में प्रवेश के लिए प्रथम चरण की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 1 मई से शुरू होगी। रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 20 मई है, वहीं पीजी कोर्स में रजिस्ट्रेशन 2 मई से 21 मई तक होंगे। दस्तावेजों का सत्यापन 2 से 21 मई तक होगा।

छात्राओं के पंजीयन फ्री

खास बात यह भी है कि इस बार प्रवेश प्रक्रिया में शुल्क को लेकर भी बदलाव किया गया है। पहले राउंड में छात्राओं को जहां फ्री रजिस्ट्रेशन की सुविधा दी है, वहीं दूसरे व सीएलसी में सभी छात्र-छात्राओं को 350 रुपए की छूट दी है। वहीं छात्रों को पहले राउंड में 150 रुपए रजिस्ट्रेशन फीस देनी होगी। इससे पहले रजिस्ट्रेशन के लिए 100 रुपए फीस थी और सीएलसी राउंड में 500 रुपए लिए जाते थे।

दो मुख्य और एक सीएलसी राउंड होगा-

पिछले वर्ष की काउंसलिंग एक मुख्य राउंड व अन्य सीएलसी राउंड चलाए गए थे। इस बार दो मुख्य और एक सीएलसी राउंड होंगे। प्रवेश के लिए पहले दो चरण ऑनलाइन काउंसलिंग की जाएगी। जबकि तीसरे चरण में कॉलेज लेवल काउंसिलिंग (सीएलसी) की जाएगी, जो 21 जून से शुरू होगी। पंजीयन करवाने के बाद कालेजों में मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों की सूची लगाई जाएगी। यूजी के पहले चरण की सीट आवंटन होने के बाद विद्यार्थियों को 25 मई से 3 जून तक फीस जमा करना होगी।

बीएड पाठ्यक्रमों में 35 कॉलेज नहीं दे पाएंगे प्रवेश

बीएड पाठ्यक्रमों में बुधवार से पंजीयन शुरू हो रहे हैं। हालांकि इस बार नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई) से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम में करीब 60 कॉलेज ही प्रवेश दे पाएंगे। प्रदेश के करीब 35 कॉलेज काउंसलिंग में शामिल नहीं हो सकेंगे। इसकी वजह यह है कि इन कॉलेजों ने अब तक फीस निर्धारित नहीं कराई है। बता दें कि कॉलेज को प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने के लिए प्रवेश एवं शुल्क नियामक समिति से फीस निर्धारित करना अनिवार्य है। इस बार करीब 95 कॉलेजों को बीएड पाठ्यक्रमों के लिए फीस निर्धारित करानी है। इनमें से करीब 35 कॉलेज ने आवेदन नहीं किया है।

मतगणना की तैयारियां

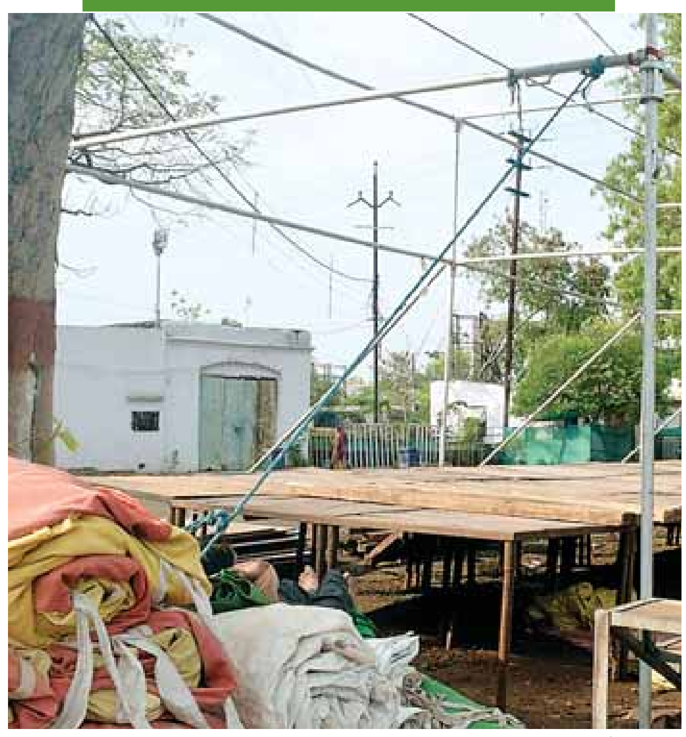

भोपाल के पुरानी जेल में लोकसभा चुनाव की मतगणना को लेकर तैयारी

मप्र मानव अधिकार आयोग

खंभे पर शॉर्ट सर्किट, आग का खतरा, सीएमडी से रिपोर्ट तलब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने भोपाल जिले के चार मामलों में संज्ञान लिया है। शहर के लखेरापुरा स्थित एक खंभे पर बिजली के तारों सहित केबलों का मकड़जाल बनने का मामला सामने आया है। खंभे पर केबिल में शार्ट सर्किट से आग लगने का खतरा बना हुआ है। जिससे लोगों के लिये जान का खतरा भी बना हुआ है। मामले में संज्ञान लेकर आयोग ने सीएमडी, मप्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण क.लि., भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्रवाई के सम्बन्ध में जन सुरक्षा के लिये जोखिमपूर्ण परिस्थिति हटाने के सम्बन्ध में की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

इन मामलों में भी मांगा जवाब

भोपाल शहर के कोलार इलाके के इनायतपुर स्थित स्टाप डेम में अपने दोस्तों के साथ नहाने गए एक युवक की डूबने के कारण मृत्यु होने की घटना सामने आई है। आयोग ने कलेक्टर से मामले की जांच कराकर प्रतिवेदन मांगा है। शीतला माता मंदिर के पास बड़े तालाब में डूबने के कारण एक किशोर की मृत्यु होने की घटना सामने आई है। आयोग ने कलेक्टर से मामले की जांच कराकर प्रतिवेदन मांगा है। वहीं भोपाल शहर के शीतलदास की बगिया घाट में लोगों एवं बच्चों के नहाने आने का मामला सामने आया है। नगर प्रशासन द्वारा तालाबों में नहाने पर रोक लगाने के बावजूद रोजाना कई लोग तालाबों में नहाने के लिये आ रहे है। नहाने के दौरान तालाब में गहरे पानी में जाने से डूबने से कई लोगों की मृत्यु हो चुकी है। आयोग ने कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त से मामले की जांच कराकर रिपोर्ट मांगी है।

स्कूलों में आज से ग्रीष्मावकाश शुरू

शिक्षकों के लिए 31 मई तक

भोपाल। गर्मी में मौसम का तापमान तेजी से बढ़ता जा रहा है। देशभर में हीटवेव का अलर्ट कई जगहों पर कर दिया गया है। ऐसे में बढ़ती भीषण गर्मी के बीच स्कूली बच्चों और शिक्षकों को बड़ी राहत मिली है। प्रदेश के सरकारी व गैर-सरकारी सभी स्कूलों में आज से गर्मी की छुट्टीयाँ शुरू होने जा रही है। प्रदेश के सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में ग्रीष्मावकाश के चलते बुधवार से स्कूल 15 जून तक बंद रहेंगे। शासकीय शिक्षकों के लिए अवकाश बुधवार मई से 31 मई तक अवकाश रहेंगे।

सामाजिक सरोकार से छात्राओं ने खुद को जोड़ा

सोशल इंटर्नशिप पूरी, अनुभव साझा किए

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट की छात्राओं ने चयनित गैर सरकारी एवं सरकारी संगठनों में एक माह के लिए सोशल इंटर्नशिप की। गतिविधियों में हिस्सा लेने के बाद अनुभव सत्र में अपने अनुभव रखे।

सोशल इंटर्नशिप के दौरान छात्राएं उस संस्था के साथ विभिन्न गतिविधियों जैसे नेत्र चिकित्सा शिविर, आंगनवाड़ी, साक्षरता शिविर, नुक्कड़ नाटक एवं कई सार्थक कोशिशों के माध्यम से सामाजिक सरोकार से सीधे जुड़ती हैं। अंश हैप्पीनेस सोसाइटी, आरुषि इंडिया, निदान चाइल्ड केयर, यंग-शाला, सरोकार, कुंजल वेलफेयर सोसाइटी, साथिया वेलफेयर सोसाइटी, आरंभ, एकजुट सोसाइटी के अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग में 70 छात्राओं ने सोशल इंटर्नशिप पूरी की। इंटर्नशिप के अनुभवों का साझा करने के लिए संस्थान में एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। छात्राओं ने बताया कि उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा एवं उन्होंने क्या सीखा? सत्र में मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी, डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर मौजूद रहे।

ज्वाला में समर कैंप आज से, 15 जून को समापन

हिरदाराम नगर। ज्वाला कान्वेंट स्कूल ग्रीष्मकालीन छुट्टियों में 45 दिवसीय समर कैंप 1 मई से प्रारंभ होगा। यह जानकारी प्राचार्य राज बतरा देते हुए बताया कि समर कैंप में अनुभवी शिक्षिकाओं द्वारा बच्चों को इंग्लिश स्पोकन, हिंदी इंग्लिश राइटिंग कोर्स,मेहंदी कंप्यूटर, हिंदी फिल्मी वेस्टर्न डांस एवं क्लासिकल डांस, पेंटिंग ,स्केचिंग, ड्राइंग, सिंगिंग, कैलीग्राफी राइटिंग कोर्स, सॉफ्ट टॉयज, वेस्ट से बेस्ट चीजों को उपयोगी बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कैंप का समापन 15 जून को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण के साथ होगा।

संतनगर में घर-घर जनसंपर्क कर वोट मांगे रामेश्वर ने

संत हिरदाराम नगर। लोकसभा चुनाव को लेकर हुजूर में जनसंपर्क का क्रम निरंतर जारी है। विधायक रामेश्वर शर्मा रोजाना क्षेत्र के विभिन्न बूथों पर जनसंपर्क कर नागरिकों से भाजपा के समर्थन में मतदान की अपील कर रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने हुजूर विधानसभा के वार्ड 2 के बूथ क्रमांक 75, 77 और संत नगर के बूथ क्रमांक 88 पर घर-घर जनसंपर्क कर लोगों से भाजपा के भोपाल प्रत्याशी आलोक शर्मा के लिए आशीर्वाद मांगा। इस दौरान श्री शर्मा ने नागरिकों को मतदाता पर्ची भी बांटी। इस दौरान विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि - हुजूर का हर नागरिक विकास प्रिय है। जब भी चुनाव का समय आया, यहां के नागरिकों ने विकास की वाहक भारतीय जनता पार्टी के समर्थन में मतदान किया।भाजपा ने जो विकास भोपाल में कराया है, चाहे विधानसभा स्तर पर हो या लोकसभा स्तर पर, ऐसा विकास कहीं नहीं हुआ।भोपाल की जनता को इसीलिए भाजपा पसंद है। इस लोकसभा चुनाव में भोपाल लोकसभा में भाजपा ऐतिहासिक बहुमत से विजयी होगी।

मेट्रो एंकर

दाना-पानी अभियान : सिद्धभाऊजी पहुंचे नवयुवक सभा में

पशु-पक्षियों के प्रति करुणा, संवेदना का पाठ पढ़ाया बच्चों को

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

नवयुवक की शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों में पशु-पक्षियों के प्रति करूणा और संवेदना से जोड़ने के लिए जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें संत सिद्धभाऊ ने बच्चों को हर सुबह दाना-पानी रखने की सीख दी।

कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत तरीके से दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुई। शिक्षाविद विष्णु गेहानी ने भाऊजी का शॉल श्रीफल से स्वागत किया। गेहानी ने कहा कि मेरा विश्वास है जो विद्यार्थी पक्षियों को दाना-पानी देगा व सात्विक विचारों वाला बनेगा, उसमे पशु-पक्षियो के प्रति करुणा का भाव आएगा। नवयुवक सभा के उपाध्यक्ष महेश दयारामानी, ने कहा की भाऊजी ने स्वार्थ हीन कार्यकर्ताओं की टीम बनाई, जो सेवाभावना ने निशुल्क प्याऊ से लोगों की प्यास बुझा रहे हैं। मिठी की कोडिनेटर मिनी नायर ने विचार रखे।

सिद्धभाऊजी ने 12 वीं में हायर सेकंड्री में प्रदेश में चौथे नंबर पर मुस्कान आवतानी को बधाई दी। दाना-पानी जागरूकता अभियान में विद्यार्थियों को प्रेरित किया। प्राचार्या ज्योति चौहान ने आभार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में नवयुवक सभा के संरक्षक वासदेव वाधवानी, सुशील वासवानी, हीरो ज्ञानचंदानी, महासचिव राजेश हिंगोरानी व अन्य पदाधिकारी शिक्षक, अभिभावक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री बोले- यह चुनाव देश के मान-सम्मान का चुनाव है

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा के समर्थन में बैरसिया विधानसभा में रोड शो किया एवं उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि पत्थर से घायल होते तो देखा था, लेकिन फूलों से घायल होते हुए पहली बार देखा है। जिस तरह से बैरसियावासियों ने फूलों की बारिश की है, अपना प्रेम बरसाया है उससे मन गदगद हो गया है। यह बैरसिया के लोगों का प्रेम है। उन्होंने कहा कि इस बार का चुनाव देश के मान-सम्मान और श्रीराम मंदिर का चुनाव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में जब आपने भाजपा को वोट दिया, तो देश से आतंकवाद का सफाया हो गया। दूसरी बार 2019 में वोट दिया था तो अयोध्या में श्रीरामलला विराजमान हो गए, भव्य मंदिर का निर्माण हो गया, कश्मीर से धारा 370 हटा दी गई, तीन तलाक विरोधी कानून लागू हो गया। अब तीसरी बार का वोट देश के मान-सम्मान के लिए देना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो श्रीराम का नहीं है, वह किसी भी काम का नहीं है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारा देश विश्वगुरू बनने की तरफ बढ़ रहा है। तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाकर हमें भारत को विश्वगुरू बनाना है, इसलिए इस बार का वोट भी भाजपा को ही मिलना चाहिए।

लखपति दीदी मेरे जीवन का मिशन : शिवराज

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को विदिशा लोकसभा की सिलवानी विधानसभा के ग्राम पहोल से जन-आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ किया। साथ ही बेगमगंज में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ विशाल जनसभा को संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री और पूर्व सीएम की उपस्थिति में सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि, सच्चे अर्थों में शिवराज सिंह चौहान ने अपना पूरा जीवन जनता की सेवा के लिए दे दिया है। विदिशा की जनता बहुत ही भाग्यशाली है कि, यहां से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और सुषमा स्वराज ने नेतृत्व किया। पूर्व मुख्यमंत्री पहले भी यहां से सांसद रह चुके हैं और अब फिर से विदिशा की सेवा करने आए हैं। वहीं शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, विदिशा लोकसभा क्षेत्र को मुख्यमंत्री मोहन यादव जी यहां से सौगातें देंगे और मैं भी दिल्ली से सौगातें लेकर आउंगा। विदिशा के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। अब लखपति दीदी का सफर तय करना है। लखपति दीदी का मतलब स्व-सहायता समूह के माध्यम से हर बहन की सालाना आय 1 लाख रूपए से अधिक हो। लखपति दीदी बनाना, मेरे जीवन का मिशन है और ये होकर रहेगा।

देश आज जिस संकट से जूझ रहा है उससे हर वर्ग परेशान हैं

मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने जनता से अपने संबोधन में प्रश्न किया कि क्या भाजपा की सांसद प्रत्याशी कभी आपके गांव में आई, कभी आपके गम में आई, कभी आपकी खुशियों में आई, कभी शादी में आई, क्या सांसद निधि से उन्होंने आपके गांव के लिए कोई काम किया? इसके साथ ही श्री गांधी के स्वागत के लिए जनसमूह से तालियों की गड़गड़ाहट के साथ गांधी का स्वागत करने का उन्होंने जनता से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश आज जिस संकट के दौर से गुजर रहा है, उससे हर वर्ग के व्यक्ति पर उसकी आंच आयी है। चाहे महंगाई हो, बेरोजगारी हो, भ्रष्टाचार हो, किसानों और महिलाओं पर अत्याचार हो भाजपा राज में सभी त्रस्त हैं। कार्यक्रम में अभा कांग्रेस के महासचिव मप्र प्रभारी जितेंद्र सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, राज्यसभा सदस्य अशोक सिंह, उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, पूर्व नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व मंत्री लाखन सिंह, पूर्व विधायक राकेश चतुर्वेदी, जिलाध्यक्ष, कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जनसमूह उपस्थित था।

ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रहलाद पटेल ने लोधी समाज की बैठक को किया संबोधित

केन्द्रीय मंत्री व गुना-शिवपुरी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रदेश शासन के मंत्री प्रहलाद पटेल ने अशोक नगर जिले के सेहराई में लोधी समाज की बैठक को संबोधित किया। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस ने आजादी के बाद 65 वर्षों तक लोधी समाज के संघर्ष को पहचान नहीं दी। रानी अवंतीबाई के शौर्य और वीरता को जनता के सामने नहीं आने दिया। लोधी समाज के संबंध में अगर किसी ने बात की तो सिर्फ प्रधानमंत्री ने की है। रानी अवंतीबाई जैसे वीर-वीरांगनाएं जो इतिहास के पन्नों में खो गए थे, उनके योगदान को याद कर, उनका सम्मान करना, यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित आजादी का अमृत महोत्सव पहल की आत्मा है।

आठ लोकसभा चुनावों का लेखा-जोखा

हमेशा उतार-चढ़ाव भरा रहा है मतदान प्रतिशत

मध्यप्रदेश में वर्ष 1991 से लेकर 2019 तक आठ लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके है। इन आठों लोकसभा चुनाव में जहां मतदान प्रतिशत में उतार-चढ़ाव आते रहे तो वही उम्मीदवारों की संख्या भी घटती-बढ़ती रही। सबसे अधिक 1259 उम्मीदवार साल 1996 के लोकसभा चुनाव में थे। इस दौरान अविभाजित मध्यप्रदेश के संसदीय क्षेत्रों की संख्या 40 थी जो 2004 के लोकसभा निर्वाचन में घटकर 29 हो गई।

2019 के लोकसभा निर्वाचन के दौरान 5.18 करोड़ से अधिक मतदाता थे। वर्ष 1991 में 3,77,12,026, 1996 में 4, 38, 64, 199, वर्ष 1998 में 4,46, 13, 317, 1999 में 4,69, 25, 473, 2004 में 3, 83, 91, 315, और 2009 में 3, 80, 83, 778 और वर्ष 2013 में 4.81 करोड़ मतदाता थे। वर्ष 2024 के लोकसभा निर्वाचन के लिए 5 करोड़ 65 लाख 12 हजार 735 वोटर अपने मताधिकार का उपयोग करने जा रहे है। यह संख्या 2019 के बाद सर्वाधिक है। 1991 में जहां मतदान केन्द्रों की संख्या 44, 706 थी वही वह 1996 में 55, 641, वर्ष 1998 में 55, 760, वर्ष 1999, में 56, 946, वर्ष 2004 में 42, 312, वर्ष 2009 में 47, 820, वर्ष 2014 में 54, 846 हो गई। वर्ष 2019 के पिछले लोकसभा निर्वाचन में मतदान केन्द्रों की संख्या 65 हजार 283 थी, जो अब तक सर्वाधिक रही। इस बार 2024 में यह संख्या कम होकर 64,503 हो गई है। जो अब तक सर्वाधिक है।

नामांकन

सबसे अधिक 2116 नाम निर्देशन-पत्र 1998 के लोकसभा चुनाव में दाखिल हुए थे। इसके पहले वर्ष 1991 में 1098, वर्ष 1998 में 569, वर्ष 1999 में 445, वर्ष 2004 में 361, वर्ष 2009 में 558, वर्ष 2014 में 448 तथा पिछले 2019 के लोकसभा चुनाव में 547 नाम निर्देशन पत्र अभ्यर्थियों द्वारा जमा किये गये थे।

उम्मीदवार

1991 के लोकसभा चुनाव में 683, वर्ष 1996 में 1259, वर्ष 1998 में 400, 1999 में 344, वर्ष 2004 में 294, वर्ष 2009 में 429, वर्ष 2014 में 378 और वर्ष 2019 के निर्वाचन में 438 उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे थे। सबसे अधिक 1184 पुरूष और 75 महिला उम्मीदवार 1996 के चुनाव मैदान में थे।

मतदान प्रतिशत 19 में सर्वाधिक

1991 के लोकसभा आम निर्वाचन में मतदान का प्रतिशत 44.35 रहा था। इसके बाद के क्रम में साल 1996 में 54.06 प्रतिशत, साल 1998 में 61.72 प्रतिशत, साल 1999 में 54.85 प्रतिशत, साल 2004 में 48.09 प्रतिशत साल 2009 मे 51.16 प्रतिशत, साल 2014 में 61.60 प्रतिशत तथा वर्ष साल 2019 के आम निर्वाचन में 71.19 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ था।

निजीकरण के गुजरात मॉडल के विरोध में मुख्य सचिव को ज्ञापन

मतदान का बहिष्कार करेंगे वन समिति श्रमिक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वन विभाग में लागू किया जा रहे निजीकरण (गुजरात मॉडल) के विरोध में वन समिति श्रमिकों एवं चौकीदारों ने कर्मचारी मंच के नेतृत्व में प्रदेश के मुख्य सचिव को मंत्रालय में ज्ञापन दिया गया। दरअसल, वन समिति के श्रमिक एवं चौकीदार वन विभाग में लागू किया जा रहे निजीकरण के विरोध में पिछले 25 दिन से चरणबद्ध आंदोलन कर रहे हैं वन समिति के श्रमिक एवं चौकीदार निजीकरण (गुजरात मॉडल) के विरोध में भोपाल में प्रदर्शन के बाद लोकसभा की दमोह सतना रीवा खजुराहो टीकमगढ़ होशंगाबाद सीधी बालाघाट जबलपुर छिंदवाड़ा शहडोल मंडला मैं हजारों की संख्या में परिवार सहित मतदान का बहिष्कार कर चुके हैं।वन समिति श्रमिकों एवं चौकीदारों ने शासन पर आरोप लगाया कि श्रमिकों के रोजगार को छिनने लिए शासन द्वारा वन विभाग में निजीकरण (गुजरात मॉडल) लागू किया जा रहा है

निजीकरण लागू होने से वन विभाग के पर्यावरण इकोसिस्टम वन प्राणियों की सुरक्षा वनोंपज की सुरक्षा प्रभावित होगी वन समिति के श्रमिकों एवं चौकीदारों को काम छोड़कर पलायन करना पड़ेगा वन विभाग में निजीकरण लागू करने का प्रदेश का आदिवासी वर्ग भी खुलकर विरोध कर रहा है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच वन विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा है कि वन समिति के श्रमिकों एवं चौकीदारों मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपने के बाद निर्णय लिया कि निजीकरण के विरोध में लोकसभा चुनाव के अगले दो चरणों में भी परिवार सहित मतदान का बहिष्कार किया जाएगा।

स्कूलों में आज से छुट्टी, अब डेढ़ महीने बाद लगेंगी कक्षाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में एक मई से गर्मियों की छुट्यिां शुरू रही हैं। मंगलवार को स्कूलों में कक्षाओं का आखिरी दिन था। विद्यार्थियों के लिए डेढ़ महीने के लिए स्कूल बंद हो गए। निजी और सरकारी स्कूलों में एक अप्रेल से नया शिक्षण सत्र शुरू किया गया था। सरकारी स्कूलों में प्रवेश उत्सव मनाया गया। शेड्यूल के मुताबिक कई एक्टिविटी यहां पर कराई जानी थी। पूरे माह कक्षाएं लगने के बाद गर्मियों की छुट्टियां घोषित कर दी गई। आखिरी दिन अधिकांश स्कूलों में उपस्थिति बहुत कम रही। छुट्टी के दौरान बच्चों को प्रोजेक्ट वर्क भी दिए गए हैं।

साइबर सिक्योरिटी की पढ़ाई भी कर सकेंगे कानून के छात्र, एनएलआईयू व आईआईटी के बीच एमओयू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तेजी से बढ़ते डिजिटलाइजेशन के साथ ही साइबर अपराध की गति भी उसी तरह बढ़ रही है। शहर में सैकड़ों लोग हर साल इसके शिकार होते हैं। जिले का आंकड़ा हजारों में है। साइबर अपराध पूरे देश में तेजी से बढ़ रहा है। जिसके चलते अब इसके बारे में नई शिक्षा नीति के तहत एनएलआईयू में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में छात्र साइबर सिक्योरिटी की पढ़ाई भी करेंगे। इसके लिए नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी भोपाल और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर द्वारा साइबर सुरक्षा और साइबर कानून में एक एक्सक्लूसिव एमएस प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। इसके लिए गुरुवार को दोनों संस्थाओं के बीच एक एमओयू किया गया। समझौता ज्ञापन पर एनएलआईयू के कुलपति प्रोफेसर एस सूर्यप्रकाश और आइआइटी इंदौर की प्रोफेसर सुहास एस जोशी ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. एस सूर्य प्रकाश ने कहा कि डिजिटल युग के आगमन और मोबाइल और डिजिटल उपकरणों के बढ़ते उपयोग के साथ साइबरस्पेस से उत्पन्न होने वाले मुद्दों को संभालने के लिए तकनीकी-कानूनी पेशेवरों की महत्वपूर्ण मांग बढ़ गई है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य कामकाजी पेशेवरों को साइबर घटनाओं से कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक कौशल प्राप्त करने में सक्षम बनाना है और साइबर पारिस्थितिकी तंत्र को वैश्विक सर्वोत्तम अपनाते हुए सुरक्षित बनाना है।

मेट्रो एंकर | अब तक 36 लाख मीट्रिक टन गेहूं की ही आवक

गेहूं खरीदी में पिछड़ा मप्र, खरीदी की तारीख 20 मई तक बढ़ी, खरीदेंगे समर्थन मूल्य पर गेहूं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र गेहूं खरीदी में पिछड़ गया है। अब तक 36 लाख मीट्रिक टन गेहूं की ही खरीदी हो पाई है। जिसे देखते हुए मप्र सरकार को खरीदी की तारीख बढ़ाकर 20 मई करनी पड़ी। हर साल अप्रैल के अंत तक लक्ष्य की 95 फीसद खरीदी होती है लेकिन यह पहला ऐसा साल है जब लक्ष्य 100 लाख मीट्रिक टन के मुकाबले 36 प्रतिशत खरीदी ही हुई।

सरकार को होगा नुकसान

गेहूं खरीदी कम होने का भविष्य में सरकार को नुकसान हो सकता है। गोदाम खाली रह जाएंगे। खादान्न वितरण में संकट आ सकता है। वर्तमान में सरकार विभिन्न योजनाओं के तहत गरीबी रेखा के तहत जीवन यापन करने वालों को राशन का लाभ देती है। इसमें अड़चने आ सकती है।

इन कारणों से पिछड़ी गेहूं खरीदी

– समर्थन मूल्य पर खरीदी के बाद समय पर किसानों को भुगतान नहीं किया। 15 से 20 दिन का समय लगाया।

– पहले गेहूं खदीदा फिर कई किसानों को वापस कर दिया। वजह बताई कि क्वालिटी अच्छी नहीं है। जबकि केंद्रों पर देख–परककर खरीदी की थी।

– बेमौसम बारिश के कारण केंद्रों पर बेचा गेहूं गीला कर दिया। कई केंद्रों की नाकामियों के कारण ऐसा हुआ, कई किसानों को यह गेहूं लौटा दिया, जो खुले बाजार में भी बेचने योग्य नहीं रह गया।

– इस बार खरीदी में एफएक्यू में रियायत दी गई थी, यह आदेश समय पर केंद्रों तक नहीं पहुंचाया गया। तब तक हजारों किसानों का लाखा क्विंटल गेहूं खराब बताकर लौटा दिया गया। यह गेहूं बाजार में बेचा गया।

– जिन केंद्रों ने कुछ गेहूं की खरीदी की थी, उस गेहूं को जमा करने के लिए जब गोदामों में भेजा गया तो वहां गोदाम प्रबंधकों ने अड़ंगा लगा दिया। जहां से गेहूं रिजेक्ट कर दिया गया।

अकड़ और अभिमान एक मानसिक बीमारी है, जिसका इलाज समय और कुदरत जरूर करती है।

संपादकीय

भारतीय बाजार और मस्क

दुनिया के रईसों में शुमार एलन मस्क का भारत दौरा रद्द हो जाना तथा औचक चीन जाना हैरान करने वाला कम है लेकिन चतुर और चालक उद्योगपति के नजरिए से देखें तो मास्क का यह कदम ठीक लग सकता है। हैरानगी की एक वजह भारत की घोषित यात्रा स्थगित करने के एक सप्ताह के अंदर चीन की यह अघोषित यात्रा हुई है। लेकिन, अगर मस्क की नजर से देखें तो यह एक कारोबारी की ऐसे मुल्क की यात्रा है, जहां उसे अपने डगमगाते व्यापार को संभालना है और जो उसकी कंपनी के लिए बड़ा बाजार रहा है। पेइचिंग में मस्क ने चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह चीन के साथ सहयोग को बढ़ाना चाहते हैं। बदले में कियांग ने भरोसा दिया कि उनका बाजार विदेशी कंपनियों के लिए हमेशा खुला रहेगा। मस्क के अपने बिजनेस के लिए यह टेक्नॉलजी और चीन का बाजार, दोनों बेहद महत्वपूर्ण हैं। चीन इस समय इलेक्ट्रिक का सबसे बड़ा मार्केट है और टेस्ला को चीनी कंपनियां से भरपूर टक्कर मिल रही है। मुकाबले में बने रहने के लिए टेस्ला ने अपनी कीमतें भी घटाई हैं। लेकिन, चीनी कंपनियों को पीछे छोड़ने के लिए अब टेस्ला को सेल्फ ड्राइविंग की तरफ बढ़ना होगा। इसके लिए जरूरी है कि वह चीनी सरकार से अपने लिए समर्थन हासिल करे। कोई औपचारिक घोषणा तो नहीं हुई है लेकिन मीडिया रिपोर्टों से संकेत मिल रहे हैं कि दोनों पक्षों में इस पर कोई महत्वपूर्ण सहमति बनी है। मस्क की यह चीन यात्रा ऐसे समय हुई है जब चीन और अमेरिका के रिश्ते अच्छे नहीं चल रहे। बीते दिनों ही अमेरिका ने टिकटॉक की चीनी पैरंट कंपनी को जो अल्टिमेटम दिया है, उससे उस पर बैन का खतरा मंडराने लगा है। यूक्रेन-रूस युद्ध समेत तमाम बड़े मसलों पर दोनों देश विपरीत खेमों में खड़े नजर आ रहे हैं । टेस्ला के लिए चीन के महत्व से इनकार नहीं किया जा सकता। संभवत~इसीलिए मस्क पर आरोप लगते रहे हैं कि पेइचिंग को लेकर उनका रवैया दोहरा है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जो पैमाना उन्होंने बाकी दुनिया के लिए बनाया है, उससे चीन को छूट दे दी है। हाल ही में एक्स पर फ्री स्पीच को लेकर वह ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट से टकरा गए। तब सवाल उठा कि मस्क को चीन नजर क्यों नहीं आता, जहां अभिव्यक्ति की आजादी जैसी कोई चीज नहीं। बावजूद मस्क एक चतुर कारोबारी हैं। हिंदुस्तान में उन्हें एक बड़ा बाजार नजर आ रहा है, जहां ई वी के लिए अपार संभावनाएं हैं। टेस्ला अरसे से कोशिश में है कि भारत में उसकी एंट्री हो जाए, लेकिन चीन की तुलना में भारतीय बाजार छोटा है। इसलिए भले ही अभी मस्क चीन में अपने कारोबार को संभालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन भारतीय बाजार की भविष्य की संभावनाओं की अनदेखी वे कतई नहीं करेंगे। अटकलें तो यह भी है कि भारत में चुनाव को देखते हुए मस्क ने अपना दौरा टला है लेकिन वह भारत का बाजार अनदेखा नहीं कर पाएंगे।

अमीरी हटाओ... कांग्रेस को पुराने दिनों में नहीं लौटना चाहिए

स्वामीनाथन एस. अकलेसरिया अय्यर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की है कि यदि कांग्रेस सत्ता में वापस आती है, तो वह लोगों के सोने और मंगलसूत्र (जो परिभाषा के अनुसार हिंदुओं के हैं) छीन लेगी और इसे 'घुसपैठियों' और 'कई बच्चों वाले लोगों' में बांट देगी। उन्होंने आगे कहा है कि कांग्रेस संपत्ति कर और विरासत कर सहित ऊंचे टैक्स लगाएगी, जो लोगों से उनकी संपत्ति और यहां तक कि उनके बच्चों को दी गई वसीयत भी छीन लेंगे। पीएम मोदी इसके लिए 'जिंदगी के बाद भी लूटो' वाक्यांश का उपयोग करते हैं। क्या इसकी संभावना लाखों में एक भी है? अब तक कांग्रेस की जीत का कोई भी जिक्र आमतौर पर हंसी-मजाक के साथ किया जाता रहा है। लेकिन अचानक मोदी ने इसे एक ऐसी संभावना के रूप में खड़ा कर दिया है जिससे मतदाताओं को डरना चाहिए। ऐसा करके उन्होंने कांग्रेस को सुर्खियां और विश्वसनीयता प्रदान की है जिसके लिए राहुल गांधी को आभारी होना चाहिए।

कांग्रेस ने गुस्से में मोदी के आरोपों का खंडन किया है। साथ ही चुनाव आयोग से मुसलमानों के खिलाफ इस नफरत भरे भाषण और पार्टी की बदनामी को रोकने के लिए कहा है। आधिकारिक कांग्रेस प्रवक्ता घोषणा करते हैं कि उनके घोषणापत्र में संपत्ति को जब्त करने और फिर से बांटने के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। लेकिन पार्टी के भीतर कई लोग समाजवाद के प्रति कांग्रेस की पुरानी प्रतिबद्धता को दोहराना चाहते हैं। पार्टी के घोषणापत्र में संभवतः अमीरों पर कर लगाकर प्रत्येक गरीब परिवार को प्रति वर्ष एक लाख रुपये देने का वादा किया गया है। यह निश्चित रूप से कांग्रेस की मूल विचारधारा के अनुरूप पुनर्वितरण है। कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने ऑफ द रिकॉर्ड कहा कि उन पर पार्टी के भीतर और बाहर दोनों तरफ से हमले हो रहे हैं। घोषणापत्र में सभी जातियों और अल्पसंख्यक समूहों की गणना करते हुए एक सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण का वादा किया गया है। इससे पता चलेगा कि किसके पास कितनी आय और संपत्ति है। इसे सामाजिक न्याय प्रदान करने के लिए शुरुआती बिंदु के रूप में बताया गया है। हालांकि, राहुल गांधी ने जनसंख्या हिस्सेदारी के अनुसार पुनर्वितरण का सुझाव देते हुए 'जितनी आबादी, उतना हक' नारे का इस्तेमाल किया है। विवादों से बचने के लिए घोषणापत्र स्पष्ट होने से इनकार करता है।

चुनाव अभियान का अर्धसत्य; चुनाव अभियान अतिशयोक्ति, अर्धसत्य और झूठ का अवसर होते हैं। दोनों पक्षों की तरफ से लगाए गए आरोप आंशिक रूप से सत्य हैं। भाजपा ने अमीर-बनाम-गरीब के मुद्दे को हिंदू-बनाम-मुस्लिम मामले में बदल दिया है। और कांग्रेस निश्चित रूप से आजादी के बाद से पुनर्वितरण की पार्टी रही है। वास्तव में, उसने 1970 के दशक में अपने उत्कर्ष के दिनों में कठोर पुनर्वितरण उपाय लागू किए थे। लेकिन ये इतने बुरी तरह फ्लॉप साबित हुए कि कांग्रेस ने 1980 के दशक और उसके बाद खुद ही टैक्स दरों में कटौती कर दी। सामाजिक न्याय की कथित खोज में उन कठोर टैक्स को फिर से लागू करना मूर्खता होगी। इंदिरा गांधी ने गरीबी उन्मूलन ('गरीबी हटाओ') के लिए अधिकतम आयकर दर बढ़ाकर 97.75% और संपत्ति कर दर 3.5% कर दी। फिर भी आजादी के बाद तीन दशकों में गरीबी अनुपात में बिल्कुल भी गिरावट नहीं आई जबकि जनसंख्या लगभग दोगुनी हो गई। इसलिए, गरीब लोगों की कुल संख्या लगभग दोगुनी हो गई। यह क्रूर समाजवाद का एक भयानक अभियोग है। यदि किसी ने 1947 में भविष्यवाणी की होती कि अंग्रेजों के जाने के बाद गरीबों की संख्या दोगुनी हो जाएगी, तो उसे अंग्रेजों का चमचा कहा जाता। फिर भी नतीजा

वही निकला।कड़े टैक्स ने व्यापार को सफेद से काले धन की ओर धकेल दिया और गरीबी कम किए बिना आर्थिक विकास को नुकसान पहुंचाया। बाद में कांग्रेस ने ही इन कठोर दरों को कम कर दिया, जिससे तेज आर्थिक विकास हुआ और गरीबी में कमी आई। नेहरू ने 1953 में विरासत कर और 1957 में संपत्ति कर लगाया। ये कागज पर कठोर दिखते थे, लेकिन अक्षम, भ्रष्ट कर विभाग और योजना बनाने में अमीरों की सरलता कर आश्रयों का मतलब था कि विरासत कर के रूप में बहुत कम धन एकत्र किया गया था। कांग्रेस ने स्वयं 1985 में संपदा शुल्क अधिनियम को समाप्त कर दिया क्योंकि इसे एकत्र करने की प्रशासनिक लागत एकत्रित राशि (20 करोड़ रुपये प्रति वर्ष) से अधिक हो गई थी। संपत्ति कर से भी निराशाजनक रिटर्न मिला, लेकिन काले धन को बढ़ावा देने और हजारों भारतीय करोड़पतियों के प्रवासन में मदद मिली। कर आश्रय। इसे 2016 में भाजपा द्वारा समाप्त कर दिया गया और इसकी जगह उच्चतम आय पर 2 से 12% का अधिभार लगाया गया, जिससे कहीं अधिक राजस्व प्राप्त हुआ।

मनमोहन के बयान पर आई थी सफाई;

हालांकि, कांग्रेस का चुनाव आयोग से यह शिकायत करना सही है कि भाजपा इस मुद्दे को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रही है। बीजेपी का कहना है कि 2006 में मनमोहन सिंह ने कहा था कि मुसलमानों को पुनर्वितरण का पहला लाभार्थी होना चाहिए। कुल मिलाकर, सिंह के भाषण में सबसे गरीब समूहों - एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और बच्चों के लिए सहायता मांगी गई। लेकिन सिंह की एक टिप्पणी ने सुझाव दिया कि मुसलमानों को पहली प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उस समय भाजपा ने आपत्ति जताई और सरकार ने स्पष्ट किया था कि सिंह सभी गरीबों के लिए प्राथमिकता चाहते थे, मुसलमानों के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं। इसका प्रमाण यह है कि कांग्रेस अगले आठ वर्षों तक सत्ता में रही लेकिन मुसलमानों को किसी भी पुनर्वितरण में कोई प्राथमिकता नहीं दी। बीजेपी का यह दावा करना कि 2006 की बहस कांग्रेस और मुसलमानों के खिलाफ उसके वर्तमान अपशब्दों को सही ठहराती है, झूठ है। चुनाव आयोग ने हेमा मालिनी का अपमान करने के लिए कांग्रेस प्रवक्ता की खिंचाई की है। इसे पुनर्वितरण मुद्दे पर निर्णायक रूप से कार्य करना चाहिए।

-साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

निशाना

है अंदर मतभेद !

– कृष्णेन्द्र राय

हो रही है खींचतान ।
ना करना सहयोग ।।
है अंदर मतभेद ।
ना बनाओ योग ।।
चाहिए समर्थन तो ।
घूम रहे हर द्वार ।।
आए लेकिन सत्ता में ।
कर हम पर प्रहार ।।
दो गुट बन गए ।
है खुद में कमाल ।।
थे पहले विरोधी ।
उठना ही सवाल ।।
लेकिन सत्ता अक्सर ।
है कराती खेल ।।
भूल जाता वह कुछ ।
जो रहे थे झेल ।।

आज का इतिहास

- 1834 बेल्जियन संसद ने रेलवे कानूनों को स्वीकार किया
- 1840 विश्व का पहला डाक टिकट ग्रेट ब्रिटेन में जारी किया गया था, जिसके ऊपर ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया का चित्र छपा था। यह डाक टिकट काले रंग में एक छोटे से चौकोर काग़ज़ पर छपा था और उसकी कीमत एक पेनी रखी गई थी।
- 1840 यूनाइटेड किंगडम ने पेनी ब्लैक जारी किया, जो कि पहले आधिकारिक चिपकने वाला डाक टिकट था
- 1844 हांगकांग पुलिस बल दुनिया की दूसरी और एशिया की पहली आधुनिक पुलिस बल की स्थापना की गयी।
- 1850 जॉन गेयरी सैन फ्रांसिस्को के पहले मेयर बने।
- 1851 द ग्रेट एग्जिबिशन, पहली बार दुनिया का मेला, लंदन का हाइड पार्क खोला गया।
- 1865 ब्राजील, उरुग्वे और अर्जेंटीना ने ट्रिपल एलायंस के युद्ध में पराग्वे के खिलाफ एक संधि बनाने के लिए एक संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1873 पहला यूएस पोस्टल डाक कार्ड जारी किया गया।
- 1886 अमरीका की मज़दूर यूनियनों नें काम का समय 8 घंटे से ज़्यादा न रखे जाने के लिए हड़ताल की थी। तब से पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर दिवस मनाने की शुरूआत हुई।
- 1895 दुन्देला फुटबॉल, खेल और बेलफास्ट में एसोसिएशन क्लब का गठन किया गया।
- 1897 स्वामी विवेकानंद द्वारा हिंदू मठ के आदेश श्री रामकृष्ण मठ और मिशन को बंद कर दिया गया था।
- 1897 रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी विवेकानंद ने हिंदू मठ के आदेश रामकृष्ण मठ के मानवतावादी समकक्ष के रूप में की थी।
- 1898 कमोडोर के तहत अमेरिकी एशियाई स्क्वाड्रन जॉर्ज डेवी ने स्पेनिश-अमेरिकी युद्ध की पहली सगाई मनीला बे के एडमिरल पेट्रीसियो मोंतोजो अटे लड़ाई के तहत स्पेनिश प्रशांत स्क्वाड्रन को हराया।
- 1914 अमेरिकी कार निर्माता कंपनी फोर्ड मोटर्स पहली कंपनी बनी जिसने अपने कर्मचारियों के लिए आठ घंटे काम करने का नियम लागू किया।
- 1941 अभिनेता और निर्देशक ओर्सन वेल्स द्वारा एक व्यापक रूप से प्रशंसित फिल्म सिटीजन केन का प्रीमियर हुआ।

जनसहयोग से हो काबू पाने के प्रयास

योगेश कुमार गोयल

पर्यावरण के साथ-साथ वन सम्पदा का जो नुकसान होता है, उसका खमियाजा लंबे समय तक भुगतना पड़ता है और ऐसा नुकसान साल-दर-साल बढ़ता जाता है। पिछले चार दशकों में भारत में पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के खत्म हो जाने के अलावा पशु-पक्षियों की संख्या भी घटकर एक तिहाई रह गई है और इसके विभिन्न कारणों में से एक कारण जंगलों की आग रही है। जंगलों में आग के कारण वातावरण में जितनी भारी मात्रा में कार्बन पहुंचता है, वह कहीं ज्यादा गंभीर खतरा है..

प्रतिवर्ष गर्मी की शुरुआत होते ही विभिन्न राज्यों में जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ने लगती हैं। शुष्क मौसम के कारण उत्तराखंड के पहाड़ी अंचलों में भी जंगलों के धधकने का सिलसिला तेज है। जंगल में आग लगने की बड़ती घटनाओं के साथ ही इन पर नियंत्रण पाना भी मुश्किल होता जा रहा है। वन विभाग के सूत्रों के मुताबिक, उत्तराखंड में इस फायर सीजन में जंगलों में आग की करीब सौ घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें 100 हेक्टेयर से भी ज्यादा वन क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है।

तापमान में बड़ोतरी के चलते उत्तराखंड में गड़वाल, कुमाऊं, अल्मोड़ा, कर्णप्रयाग, चमोली, चंपावत, नैनीताल, पौड़ी, टिहरी, रुद्रप्रयाग सहित कई जनपदों के जंगल धधक रहे हैं। कई जगहों पर जंगलों में दावानल भड़कने के दो-तीन दिन बाद तक भी वन विभाग मौके पर पहुंचने में नाकाम रहा और जंगलों से उठती आग की लपटें सब कुछ राख करती चली गईं। विशेषज्ञों के मुताबिक जंगलों में दावानल से बड़े पैमाने पर वन संपदा तो नष्ट होती ही है, पर्यावरणीय क्षति के साथ-साथ लोगों को जलवायु परिवर्तन का खमियाजा भी भुगतना पड़ता है।गर्मियों में जंगलों में आग तेजी से फैलती है। जंगलों का पूरी तरह सूखा होना आग लगने के खतरे को बड़ा देता है। कई बार जंगलों की आग जब आसपास के गांवों तक पहुंच जाती है तो स्थिति काफी भयावह हो जाती है। दो साल पहले उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग में अल्मोड़ा में छह गौशालाएं, लकड़ियों के टाल सहित कई घर जलकर राख हो गए थे और वहां हेलीकॉप्टरों की मदद से बड़ी मुश्किल से आग बुझाई जा सकी थी। जंगलों में आग के कारण वनों के पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता को भारी नुकसान होता है। प्राणी सर्वेक्षण विभाग का मानना है कि उत्तराखंड के जंगलों में आग के कारण जीव-जंतुओं की साढ़े चार हजार से ज्यादा प्रजातियों का अस्तित्व खतरे में है। वनों में आग से पर्यावरण के साथ-साथ वन सम्पदा का जो नुकसान होता है, उसका खमियाजा लंबे समय तक भुगतना पड़ता है और ऐसा नुकसान साल-दर-साल बढ़ता जाता है। पिछले चार दशकों में भारत में पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के खत्म हो जाने के अलावा पशु-पक्षियों की संख्या भी घटकर एक तिहाई रह गई है और इसके विभिन्न कारणों में से एक कारण जंगलों की आग रही है। जंगलों में आग के कारण वातावरण में जितनी भारी मात्रा में कार्बन पहुंचता है, वह कहीं ज्यादा गंभीर खतरा है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2017 से 2019 के बीच जंगलों में आग लगने की घटनाएं तीन गुना तक बड़ गईं। साल 2016 में देशभर के जंगलों में आग लगने की 37 हजार से ज्यादा घटनाएं दर्ज की गई

थी, जो 2018 में बड़कर एक लाख से ऊपर निकल गईं। भारतीय वन सर्वेक्षण ने वर्ष 2004 में नासा के उपग्रह की मदद से राज्य सरकारों को जंगल में आग की घटनाओं की चेतावनी देना शुरू किया गया था। वर्ष 2017 में सेंसर तकनीक की मदद से रात में भी ऐसी घटनाओं की निगरानी शुरू की गई लेकिन तमाम तकनीकी मदद के बावजूद जंगलों में हर साल बड़े स्तर पर लगती भयानक आग जब सब कुछ निगलने पर आमादा दिखाई पड़ती है और वन विभाग बेबस नजर आता है, तो चिंता बड़नी स्वाभाविक है। चिंता का विषय है कि जंगलों में आग की घटनाओं को लेकर सरकारों और प्रशासन के भीतर संजीदगी का अभाव दिखता है।

एक दशक में हम वनों की आग से 22 हजार हेक्टेयर से भी ज्यादा जंगल खो चुके हैं। वन सर्वेक्षण संस्था की रिपोर्ट के अनुसार देशभर में 2004 से 2017 के बीच वनों में आग की 3.4 लाख घटनाएं हुई थी। जंगलों में आग कई बार प्राकृतिक तरीके से नहीं लगती बल्कि पशु तस्कर भी लगा देते हैं। मध्य प्रदेश के जंगलों में लोग महुआ निकालने के लिए झाड़ियों में आग लगाते हैं। वहीं वनों में प्राकृतिक तरीके से आग लगने के प्रमुख कारण मौसम में बदलाव, सूखा व भूमि कटाव हैं। विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों में चीड़ के वृक्ष बहुतायत में होते हैं। पर्यावरण विशेषज्ञ इसे वनों का कुप्रबंधन ही मानते हैं कि देश का करीब 17 फीसदी वन क्षेत्र चीड़ से ही भरा पड़ा है। चीड़ के वृक्षों का बड़ा नुकसान है कि एक तो ये बहुत जल्दी आग पकड़ लेते हैं, साथ ही ये अपने क्षेत्र में चौड़ी पत्तियों वाले अन्य वृक्षों को पनपने नहीं देते। चूंकि चीड़ के वनों में नमी नहीं होती, इसलिए जरा-सी चिंगारी भी ऐसे वनों को राख कर देती है। कभी चीड़ के सूखे पत्तों को पर्वतीय क्षेत्रों के लोग पशुओं के बिछौने के रूप में इस्तेमाल किया करते थे किन्तु रोजगार की तलाश में पहाड़ों से पलायन के चलते लोगों को अब इन पत्तियों की जरूरत ही नहीं पड़ती और जंगलों में इन सूखी पत्तियों का ढेर इकट्ठा होता रहता है, जो थोड़ी गर्मी बड़ते ही मामूली चिंगारी से ही सुलग उठते हैं व देखते ही देखते पूरा जंगल आग के हवाले हो जाता है। जंगलों में आग की बड़ती घटनाओं पर काबू पाने में विफलता का बड़ा कारण यह भी कि वन क्षेत्रों में वनवासी अब वन संरक्षण के प्रति उदासीन हो चले हैं। वजह काफी हद तक नई वन नीतियां भी हैं। जरूरी है कि वनों के आसपास रहने वालों और उनके गांवों तक जन-जागरूकता मुहिम चलाकर वनों से उनका रिश्ता कायम करने के प्रयास किए जाएं ताकि वे वनों को अपने साथी समझें और उनके संरक्षण के लिए साथ खड़े नजर आएं।

-साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

कलेक्टर को सारिका ने स्वीप गतिविधियों की सौंपी रिपोर्ट

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

स्वीप आइकॉन सारिका घारू ने स्वयं की स्वीप गतिविधियों की रिपोर्ट कलेक्टर सोनिया मीना को सौंपी। सारिका ने बताया कि कलेक्टर सोनिया मीना के मार्गदर्शन में की गई उनकी स्वीप गतिविधि आम लोगों, महिलाओं, किसानों, श्रमिकों, केंद्रीय कर्मचारियों, नवमतदाताओं के बीच पहुंच कर एवं मीडिया के माध्यम से निर्वाचन आयोग की सुविधाओं, ईवीएम तथा वीवीपैट की जानकारी देकर सही मतदान करने के बारे में बताती थी। वे जिंगल का प्रयोग लोकनृत्य, लोकगीत जैसी विधा के माध्यम से संदेश पहुंचाती थीं। सारिका ने बताया कि उन्होंने टेलिस्कोप से स्टार गेजिंग, फ्लैश मॉब, कठपुतली शो, दिव?यांग केंद्रों एवं वृद्धाश्रम में अलग से जागरूकता कार्यक्रम, कृषि उपज मंडी मे किसानों से बात, कारखानों में श्रमिकों से बात जैसे नवाचारी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम किये गये। उन्होंने बताया कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा दिया गया प्रोत्साहन से वे ऐसा कर पा रही हैं।

बगैर ट्यूशन व कोचिंग के दीपिका 12 वीं में आई प्रथम

शिक्षा हासिल करने में आर्थिक कमजोरी भी आड़े नहीं आई छात्रा को

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो।

कहते हैं कि इरादे और हौसले के साथ लगन सच्ची हो तो किसी भी मंजिल को आसानी से हासिल किया जा सकता है ऐसा ही कुछ कर दिखाया नगर की छात्रा ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिवनी मालवा की कक्षा 12 वीं की छात्रा कुमारी दीपिका पिता अखिलेश राठौर ने अपनी शाला एवं परिजनों का गौरव बढ़ा कर माता-पिता सहित नगर का नाम रोशन किया।

छात्र ने कक्षा 12वीं में बायो ग्रुप लेकर 90.6 प्रतिशत अंक हासिल किया। छात्रा एक गरीब परिवार से है जिसके कारण उसने किसी भी प्रकार की कोई कोचिंग या ट्यूशन नहीं ली तथा यह सिद्ध करके दिखाया कि शिक्षा हासिल करने में आर्थिक कमजोरी आड़े नहीं आती। अगर पढ़ाई की लगन सच्ची हो तो कोई भी मंजिल दूर नहीं है ऐसा ही सिद्ध कर दिखाया दीपिका ने छात्र की इस उपलब्धि पर प्रधान प्राचार्य श्याम रघुवंशी ने मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की इस अवसर पर संस्था की वरिष्ठ व्याख्याता गायत्री सोनी प्रकाश व्यास देवेंद्र गौड़ आर एस मिश्रा आरती महेन्द्र रंजना कोटवाला, ज्योति व्यास आदि एवं परिजन उपस्थित थे।

एसी का तापमान 27 डिग्री सेट करने पर

बिजली बिल में 30 फीसदी तक की कमी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

गर्मी में बिजली की खपत बढ़ने से बिजली बिल अधिक आता है, लेकिन कुछ तरीके अपना कर बिजली बिल में कमी की जा सकती है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि एक शोध से यह साबित हुआ है कि एसी का तापमान 27 डिग्री पर सेट करने से बिजली बिल में 30 प्रतिशत तक कमी हो सकती है। शोध के अनुसार प्रत्येक डिग्री तापमान में वृद्धि के परिणामस्वरूप स्प्लिट एसी की ऊर्जा खपत में 6 प्रतिशत की कमी आती है।आमतौर पर कमरे को तुरंत ठंडा करने के लिए तापमान को 18 डिग्री तक कम करना एक आम गलतफहमी है। जबकि 27 डिग्री सेल्सियस तक कम करने में लगने वाला समय वही रहता है, चाहे आप एसी का तापमान 18 या 27 डिग्री सेल्सियस पर सेट करें। लेकिन जब आप कम तापमान सेट करते हैं, तो कमरे के तापमान को कम करने के लिए कंप्रेसर को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इसके परिणामस्वरूप अधिक बिल आता है। यहां तक कि अगर आप थर्मोस्टेट को 18 डिग्री पर सेट करने के बाद कुछ मिनटों के भीतर एसी बंद कर देते हैं, तो विभिन्न लीक के माध्यम से ठंडी हवा के फैलने से तापमान तेजी से बढ़ जाएगा, जिससे आपका प्रयास व्यर्थ हो जाएगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि आप थर्मोस्टेट को 27 डिग्री सेल्सियस पर सेट करते हैं और टाइमर को 2 घंटे के लिए सेट करते हैं और साथ में सीलिंग फैन चला देते हैं, तो यह आमतौर पर अच्छी नींद के लिए आरामदायक तापमान बनाए रखता है। इसलिए समझदारी से काम लेते हुए एसी को 27 डिग्री पर सेट करें तथा सीलिंग फैन एक या दो पाइंट पर जरूर चलाएं, ऐसा करने से बिजली बिल में कमी आ सकती है।

संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद अंतर्गत कुल 2203 मतदान केंद्रों पर 67.21 प्रतिशत मतदान

जिले के संसदीय क्षेत्र की चारों विस क्षेत्र में कुल 68.46 प्रतिशत मतदान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 के तहत 26 अप्रैल 2024 को संपूर्ण संसदीय क्षेत्र एवं जिलेभर में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान सम्पन्न हुआ। संसदीय क्षेत्र की बात करें तो पूरे क्षेत्र में 1855692 मतदाताओं में से 1247298 मतदाताओं ने मतदान किया जिसमें 687674 पुरुष मतदाता एवं 559594 महिला मतदाताओं तथा 30 थर्ड जेंडर मतदाताओं नें मताधिकार का प्रयोग किया। जो कि कुल मतदाताओं का 67.21 प्रतिशत हैं। वहीं लोकसभा संसदीय क्षेत्र 17 होशंगाबाद अंतर्गत आने वाली जिले की चारों विधानसभाओं में 950127 में से कुल 650505 मतदाताओं ने मतदान किया। हो कि कुल मतदाताओं का 68.46 प्रतिशत है। इस दौरान 354373 पुरुष मतदाओं और 296108 महिला मतदाताओं सहित 24 थर्ड जेंडर मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद में कुल 2203 मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे। जिसमें नर्मदापुरम जिले की चारों विधानसभा में कुल 1187 मतदान केंद्र स्थापित किए गए। स्थापित किए गए मतदान केंद्रों में से सर्वाधिक मतदान केंद्र 136 विधानसभा क्षेत्र सिवनीमालवा अंतर्गत स्थापित किए गए थे जो की 318 थे। इसी प्रकार 137 विधानसभा क्षेत्र होशंगाबाद अंतर्गत 238 मतदान केंद्र, 138 विधानसभा क्षेत्र सोहागपुर अंतर्गत 314 मतदान केंद्र एवं 139 विधानसभा क्षेत्र पिपरिया अंतर्गत कुल 298 मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे।

होशंगाबाद के पिपरिया विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 72.80 प्रतिशत मतदान हुआ

संपूर्ण संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद एवं नर्मदापुरम जिले की बात की जाए तो सर्वाधिक मतदान प्रतिशत वाली विधानसभा क्षेत्र 139 पिपरिया था जिसके अंतर्गत 72.80 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। जिसमें 76.91 प्रतिशत पुरुष मतदाता 68.41 प्रतिशत महिला मतदाता एवं 100 प्रतिशत थर्ड जेंडर मतदाताओं ने मतदान किया एवं देश के लोकतंत्र के प्रति अपने जिम्मेदारी निभाई।

विधानसभा क्षेत्र पिपरिया अंतर्गत कुल 234863 मतदाताओं में से 170983 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिसमें कुल 121170 पुरुष मतदाताओं में से 93194, इसी प्रकार 113688 महिला मतदाताओं में से 77784 एवं 5 थर्ड जेंडर मतदाताओं में से पांचों मतदाताओं ने मतदान किया। सिवनीमालवा विधानसभा में कुल 246841 मतदाताओं में से 172715 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें कुल 128057 पुरुष मतदाताओं में से 93593 तथा कुल 118775 महिला मतदाताओं में से 79116 मतदाता एवं कुल 09 थर्ड जेंडर मतदाताओं में से 6 मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। होशंगाबाद विधानसभा में कुल 223878 मतदाताओं में से 139690 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें कुल 113315 पुरुष मतदाताओं में से 74727 और कुल 110547 महिला मतदाताओं में से 64956 तथा 16 थर्ड जेंडर मतदाताओं में से 7 मतदाताओं ने मतदान किया। सोहागपुर विधानसभा में कुल 244545 मतदाताओं में से 167117 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें कुल 128188 पुरुष मतदाताओं में से 92859 और कुल 116350 महिला मतदाताओं में से 74252 तथा 7 थर्ड जेंडर मतदाताओं में से 6 मतदाताओं ने मतदान किया।

मध्य प्रदेश प्रांतीय शासकीय प्राध्यापक संघ के चुनाव संपन्न

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश प्रांतीय शासकीय महाविद्यालय प्राध्यापक संघ के अध्यक्ष पद के लिए विगत दिवस चुनाव संपन्न हुए जिसमें मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय के रसायन शास्त्र के प्रोफेसर डॉ आनंद शर्मा को निर्विरोध सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित घोषित किया गया। इसके पूर्व इस पद पर प्रोफेसर कैलाश त्यागी पिछले 20 वर्षों तक अपनी सेवाएं देते रहे। इस दौरान उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण प्रयासों और अविस्मरणीय संघर्ष का आभार प्रकट करते हुए उन्हें संघ का संरक्षक घोषित नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में सभी संभागों के प्रतिनिधि मंडल सम्मिलित हुए। नर्मदा पुरम संभाग से डॉ ओ एन चौबे, डॉ एस सी हर्ने, डॉ अग्रवाल, डॉ एन आर अडलक भी सम्मिलित हुए।नवनिर्वाचित डॉ शर्मा , डॉ त्यागी को उच्च शिक्षा में व्यापक कार्य करने हेतु प्रदेश और नर्मदा कॉलेज के समस्त प्राध्यापकों ने शुभकामनाएं और बधाई प्रेषित की।

घर-घर पीले चावल देकर मतदाताओं को मतदान के लिए किया आमंत्रित

रायसेन। जिले में लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में अधिकाधिक मतदान सुनिश्चित कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशन में चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रायसेन नगर के वार्ड क्र.01 में नगर पालिका परिषद द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में सीएमओ रायसेन सुश्री सुरेखा जाटव सहित नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल हुई। इसके उपरांत सीएमओ सहित नगर पालिका के अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा डोर टू डोर जाकर मतदाताओं को पीले चावल तथा आमंत्रण पत्र देकर 07 मई 2024 को मतदान केन्द्र पहुंचकर मतदान करने के लिए आमंत्रित किया गया। उल्लेखनीय है कि विदिशा लोकसभा में शामिल जिले के विधानसभा क्षेत्र सांची, सिलवानी तथा भोजपुर में 07 मई को मतदान सम्पन्न होगा।

भीलट देव मेला की अवधि बढ़ाने की मांग को लेकर व्यापारियों ने पंचायत सीईओ को सौंपा ज्ञापन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

सिवनी मालवा क्षेत्र का प्रसिद्ध मेला जिसमें दूर दराज से लोग एन बाबा भिलटदेव के दर्शन करने आते हैं। भीलट देव मेले में आये व्यापरियों ने मंगलवार दोपहर जनपद पंचायत सीईओ श्रुति चौधरी को मेले की अवधि बढ़ाने को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिसमे बताया की मेला की अवधि 30 अप्रैल को शासन ने निर्धारित की है। मेला जो 21 अप्रैल से प्रारंभ किया गया था। दिनांक 22, 23 अप्रैल को बारिश होने से सुचारू नहीं चला है। दिनांक 25, 26 अप्रैल को प्रशासन ने चुनाव के कारण मेला बंद रखा था।

ऐसे में मेला मात्र 4 दिन ही सुचारू रूप से चला है। हम सभी व्यापारीगण दूर-दूर से किराया भाड़ा लगा कर यहाँ व्यापार करने के लिए आते हैं। इन 4-5 दिनों में यहाँ हमारा कोई व्यापार नहीं हुआ है। शादी विवाह के कारण मेले में श्रद्धालुओं का आवागमन बहुत कम रहा है। मेला समाप्त किया जाने से हम लोगों को भारी आर्थिक नुकसान होगा। हमारा किराया भाड़ा तक इस स्थिति में नहीं निकल सकेगा। सभी व्यापारियों ने मांग की है कि मेला अवधि को 10 दिन आगे बढ़ाया जाए जिससे की बाहर से व्यापार करने आये व्यापरियों के माल का विक्रय भी होगा और उन्हें आर्थिक नुकसान नहीं होगा। व्यपारियों ने बताया की मेला अवधि यदि शासन ने नहीं बढ़ाई तो व्यापारी अपनी अपनी दुकानों और निर्धारित स्थानों का किराया अदा करने में असमर्थ रहेंगे।

मेट्रो एंकर कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे ने व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी लेकर तैयारी की समीक्षा की

कल आएंगे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, विधायक ने तैयारी का जायजा लिया , कई कॉलोनियों के रास्ते किए बंद

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

2 मई कल भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की आमसभा नवीन बस स्टैंड पर आयोजित होने वाली है। दो दिन पहले से ही पुलिस प्रशासन ने यहां पर बैरिकेट्स लगाकर आवागमन बंद कर दिया इस वजह से दिन भर कॉलोनी में जाने वाले लोगों एवं बैंकों में जाने वाले ग्राहकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ा। वही भोपाल से टेंट लगाने वाले व्यक्ति ने पहले तो कॉलोनी में जाने वाले दोनों रास्तों को पूरी तरह से बंद कर दिया था। रहवासियों बैंक में जाने वाले लोगों की शिकायत के बाद पुलिस ने एक रास्ता प्रारंभ करवाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष की आम सभा की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे पहुंचे उन्होंने व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी लेकर तैयारी की समीक्षा भी की इस दौरान भाजपा नेता पंडित प्रशांत पालीवाल आदि मौजूद थे। वहीं सभा को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारी भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा की जा रही है। इस दौरान प्रमुख रूप से रमेश यादव, शिवकुमार भार्गव, सचिन शर्मा, अमित त्यागी आदि उपस्थित रहे।

रास्ता बंद होने से हुई परेशानी

पुलिस प्रशासन ने 2 दिन पहले से पालीवाल कॉलोनी को जाने वाले रास्ते तथा बैंकों में जाने मार्गो को तो पूरी तरह से बंद कर दिया। कॉलोनी में जाने के लिए एक तरफ से दो पहिया वाहन को ही आने जाने दिया जा रहा था वही बैंक का रास्ता पूरी तरह से बंद करने के लिए पुलिस ने बैरिकेट्स स्थापित कर दिए इस वजह से कॉलोनी में जाने वाले लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा लंबा रास्ता तय करके इनको अपने चार पहिया वाहनों ले जाना पड़ा अभी दो दिन और इसी तरह की परेशानी की बीच कॉलोनी और बैंक में जाने वाले उपभोक्ताओं को आना-जाना पड़ेगा दो दिन तो और भी ज्यादा कठिनाई के बीच निकलेंगे आज से तो ओर भी ज्यादा सख्ती पुलिस प्रशासन के द्वारा की जाएगी दो पहिया वाहनों का प्रवेश भी बस स्टैंड से बंद कर दिया जाएगा। 2 दिन पहले से ही रास्ता बंद होने से कॉलोनी में जाने वाले और बैंक के ग्राहकों में जरूर आक्रोश पुलिस प्रशासन के खिलाफ देखने को मिला लोगों का कहना था की सभा 2 मई को होनी है इससे पहले हम लोगों को जाने से क्यों रोका जा रहा है । वहीं यात्री बस सहित बड़े बहनों को तो बस स्टैंड भी नहीं जाने दिया जा रहा है। किसाने की ट्रैक्टर ट्रालियों को भी यहां से जाने से रोक दिया है। एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने बताया कि अभी तो कॉलोनी में जाने का एक रास्ता हमने दो पहिया वाहन तथा रागीरों के लिए के लिए खोल दिया है ।आज से प्रवेश बंद कर देंगे बस स्टैंड पर ही बैरिकेट्स लगाकर बंद करना पड़ेगा क्योंकि टेंट लगाने का काम ज्यादा क्षेत्र में हो रहा है सुरक्षा को लेकर ऐसा किया जा रहा है। कॉलोनी और बैंक में जाने वाले लोग डायवर्टेड मार्गो से आ जा सकते हैं कई वैकल्पिक मार्ग है थोड़ा दूर पड़ेगा।

वीईएस श्रेणी के सभी मतदाताओं ने मतदान किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

निर्वाचन आयोग द्वारा पहली बार मीडिया कर्मियों को एवीईएस श्रेणी में शामिल किया गया है। आयोग के संज्ञान में लाया गया था कि कवरेज करने के दौरान मीडिया कर्मी मतदान से वंचित ना रहे इसलिए पूर्व घोषित अति आवश्यक सेवाओं में मीडियाकर्मियों को भी शामिल किया गया है। अतिआवश्यक श्रेणी के मतदाताओं को निर्धारित 12डी में आवेदन करना होता है। खासकर ऐसे मीडियाकर्मी जिन्हें निर्वाचन आयोग द्वारा प्राधिकार पत्र जारी किए गए है वे 12डी में आवेदन करने के लिए पात्रता रखते है।

विदिशा जिले में कुल 13 मीडियाकर्मियों के द्वारा निर्धारित तिथियों तक 12 डी फार्म प्राप्त किया गया था जिसमें से आठ मीडियाकर्मियों ने 12डी फार्म में समुचित जानकारियां दर्ज कर जिला जनसंपर्क कार्यालय मैं जमा की गई थी सभी आठो आवेदन प्रकोष्ठ की नोडल अधिकारी व संयुक्त कलेक्टर सुश्री निकिता तिवारी के माध्यम से संबंधित एआरओ को प्रेषित किए गए थे ताकि एवीईएस श्रेणी के मतदाताओं को संबंधित एआरओ को पोस्टल वेटिंग सेंटर में मतदान करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। गौरतलब हो कि कुल विदिशा जिले में आठ मीडिया कर्मियों में से 6 जिला मुख्यालय के तथा दो सिरोंज तहसील के पत्रकार शामिल है। संयुक्त कलेक्टर एवं प्रकोष्ठ की नोडल अधिकारी सुश्री निकिता तिवारी ने बताया कि पहले दिन ही सभी आठों मिडिया कर्मियों ने मतदान कर अपने मौलिक अधिकारों के दायित्वों का निर्वहन किया है।

मोदी की हर गारंटी फैल, भाजपा ने महिला और किसानों को झूठ बोलकर ठगने का काम किया है

सरकार बनते ही महिलाओं को हर साल देंगे 1 लाख रूपये: पटवारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सिरोंज में आमसभा के दौरान भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'ना खाऊंगा ना खाने दूंगा', मोदी जी का यह नारा भी जुमला साबित हुआ। इस सरकार ने बड़ी बड़ी कंपनियों से चंदा लेकर उन्हें टेंडर दिए गए। यह सरकार कोरोना जैसी महामारी में भी चंदा लेने से नहीं चुकी। भारतीय जनता पार्टी का हर एक नेता झूठ बोलने का काम करता है उन्होंने कहा था हमारी माता बहनों को 3 हजार रुपए प्रति माह देंगे नहीं दिया उन्होंने कहा था 2700 रूपये मैं किसानों का गेहूं खरीदेंगे नहीं खरीदा यह काम कुछ नहीं करते बस झूठ बोलने की राजनीति करते हैं इन झूठों को भगाना है पटवारी ने लोकसभा प्रत्याशी गुड्डू राजा को बोट देकर सागर से संसद भेजने का संकल्प दिलायाद्ध।

सरकार बनते ही आर्थिक उन्नति के खुलेंगे नए द्वार

जीतू पटवारी ने जनता से आग्रह किया कि कांग्रेस पार्टी ने आपको अधिकार दिए एवं अपने दिए हुए वचन पूरे किए। पटवारी ने वादा करते हुए कहां की हर बेरोजगार को इस बार कांग्रेस की सरकार बनने पर 1 लाख रुपए सालाना ग्रेजुएट को दिए जाएंगे तथा 1 लाख रुपए सालाना महिलाओं को दिया जाएंगे। उन्होंने संकल्प के साथ कहा कि सरकार बनते ही किसानों का 2 लाख रूपये तक का केसीसी माफ किया जाएगा।

मोदी जी आप जिस संविधान को बदलना चाहते हो उसको बचाने के लिए हम जान दे देंगे

पटवारी ने भाजपा को तानाशाही सरकार बताते हुए कहा कि मोदी जी आखिर इस पवित्र भारत को क्या चीन बनाना चाहते हैं जहां मीडिया भी सरकारी हो आज मीडिया का दुरुपयोग किया जा रहा है लोकतंत्र के चुने हुए प्रतिनिधियों को खरीदा जा रहा है पहले यह लोग चुने हुए प्रतिनिधियों को खरीदते थे और अब जो चुनाव लड़ने के लिए खड़ा होता है उसको खरीदने का काम कर लोकतंत्र की हत्या करने का यह काम भाजपा की सरकार कर रही है यह वही सरकार है जो सरकारी जांच एजेंसी का दुरुपयोग कर अपना उल्लू सीधा करना चाहती है इन्हें देश से मतलब नहीं है इन्हें सच्चाई से मतलब नहीं है उन्हें यदि मतलब है तो उस कुर्सी से जहां बैठकर यह देश को लूट सके भाजपा झूठ बोलकर देश की जनता को ठगने का काम कर रही हैं मणिपुर मैं इतनी बड़ी घटना होती है जहां एक महिला को नग्न कर सड़क पर घुमाया जाता है और हमारा जुमलेवाज प्रधानमंत्री मौन रहता है इस तरह की तानाशाही से यह देश मे प्रेम, विश्वास और पवित्रता का खंडन करना चाहते हैं यह भारत को क्या चीन बनाना चाहते हैं विपक्ष को खत्म कर तानाशाही से सरकार चलाना चाहते हैं ऐसा भारत में नहीं हो सकता क्या हर घर से भगत सिंह निकलेगा और आपसी लड़ाई लड़ने के लिए हमें बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने संविधान दिया है जिसको आप खत्म करना चाहते हो हम उस संविधान को बचाने के लिए अपने प्राणों को न्योछावर कर देंगे क्योंकि संविधान इस देश की आत्मा है।

भाजपा कार्यकर्ताओं को दी जाती है झूठ बोलने की ट्रेनिंग: चौधरी

आमसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के क्रांतिकारी नेता कुणाल चौधरी ने महंगाई को लेकर भाजपा पर जमकर निशाना सदा उन्होंने कहा कि कहां गए वो नेता जो सड़कों पर बैठकर महंगाई डायन खाए जाते हैं बोलते थे आज क्या उनके मुंह में दही जमा है झूठो की पार्टी भाजपा ने 400 रूपये मैं गैस सिलेंडर देने का वादा किया था चौधरी ने सभा में बैठे लोगों से पूछा किस -किसी को मिला आम जनता ने बोला किसी को नहीं कुणाल चौधरी ने अनोखे अंदाज में कहा अपने आसपास के भाजपा नेताओं एक बार बोलने की आओ सड़क पर बैठकर गाते हैं महंगाई डायन खाए जात है एक भी नेता नहीं आएगा क्योंकि वह सच बोलने की हिम्मत खो चुके हर एक भाजपा कार्यकर्ता के लिए इतनी झूठ बोलने की ट्रेनिंग दी गई है कि उनके मुख से सच निकलता ही नहीं कुणाल चौधरी ने कहां कि हिम्मत है तो जनता के बीच अपने काम के आधार पर वोट मांग कर देख ले पता चल जाएगा जाति धर्म के नाम पर वोट मांग कर भोली-भाली जनता को ठगने का काम कर रहे हैं।

भाजपा जाति धर्म के आधार पर लड़ती हैं चुनाव

अरुण यादव- वही मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव ने सभा को संबोधित करते हो कहा कि जाति धर्म के आधार पर यह चुनाव लड़ते हैं हमें सच्चाई का साथ देना होगा आज युवा बेरोजगार घूम रहा है यह युवाओं की बात नहीं करते यह रोजगार की बात नहीं करते उन्होंने कहा कि आने वाले समय में गुड्डू राजा बुंदेला एक ऐसा प्रत्याशी है जो हर गरीब मजदूर के साथ खड़ा होगा हम रोजगार के लिए नए उद्योग स्थापित कराने के लिए वचनबद्ध है उन्होंने उपस्थित लोगों से कांग्रेस प्रत्याशी को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि यह चुनाव राजनीतिक दलों का नहीं है यह चुनाव सत्य और असत्य पर लड़ा जा रहा है उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि यदि आप सत्य के साथ हैं तो कांग्रेस को वोट देकर इन झूठे को सबक सिखवाना होगा।

केवल मैं नही आप सब सांसद बनने वाले हैं

गुड्डू राजा - नगर के पुराना बस स्टैंड अंबेडकर चौक मैं आयोजित आमसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी चंद्र भूषण गुड्डू राजा बुंदेला ने कहां की आपका सेवक आपके बीच सेवा करने आया है कांग्रेस को वोट देकर मुझे सेवा का अवसर दें हम बता देंगे की जन सेवा क्या होती है जहां-जहां मैं जा रहा हूं वहां से बहुत प्यार मिल रहा है जनता ने मन बना लिया है इन झूठे को हटाने का यह चुनाव केवल मैं नहीं लड़ रहा आप सब सांसद बनने वाले हैं हर एक गांव शहर की आवाज संसद तक पहुंचने का हम सब मिलकर काम करेंगे उन्होंने समापन अवसर पर आभार व्यक्त किया इस दौरान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मोहित रघुवंशी सहित सैकड़ो की संख्या में नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अब समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन कार्य 20 मई तक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन का कार्य के लिए पूर्व जारी अंतिम तिथि सात मई से बढाकर अब 20 मई नियत की गई है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के उप सचिव द्वारा जारी आदेश का हवाला देते हुए बताया कि रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन हेतु जारी संदर्भित नीति की कंडिका अनुसार समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन कार्य के लिए भोपाल संभाग में सात मई नियत की गई थी नवीन जारी आदेश के अनुसार कृषकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन की अवधि 20 मई 2024 तक बढाई गई है। अतः विदिशा जिले में भी समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन का कार्य 20 मई तक किया जाएगा।

नारी शक्ति करें मतदान मिलके बढ़ाएं विदिशा का मान पर वृहद आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत मतदान प्रतिशत में बढोतरी हो इसके लिए मतदाता जागरूकता अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में मतदान तिथि सात मई तक मेगा ईवेंट मिशन 10 डेज का क्रियान्वयन किया जा रहा है जिसके तहत सम्पूर्ण विदिशा जिले में एक जैसी चिन्हित मतदाता जागरूकता गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है इसके पीछे की मुख्य मंशा यह है कि एक साथ जिले के लाखो मतदाताओं तक मतदाता जागरूकता के संदेश सम्प्रेषण करना है ताकि वे मतदान तिथि को अपने-अपने मतदान केन्द्र पर पहुंचकर सुगमता से मतदान कर सकें ताकि विदिशा जिला प्रदेश में सर्वाधिक मतदान करने वाले जिलो में अव्वल रहें।

कलेक्टर ने बताया कि श्रमिक दिवस एक मई को श्रमिको के लिए को मतदान हेतु जागरूकता संबंधी कार्यक्रमों के तहत नुक्कड नाटक व शपथ का वाचन का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम विदिशा जिला मुख्यालय पर श्रमिक चौक पीतल मील चौराहे पर प्रातः 8:30 बजे से तथा नीमताल ओव्हर ब्रिज के नीचे प्रातः 9:30 बजे से शुरू होगा।

बुधवार एक मई को ही पूर्वान्ह 11 बजे से नारी शक्ति करें मतदान मिलके बढाए विदिशा का मान पर आधारित वृहद कार्यक्रम का आयोजन सम्पूर्ण विदिशा जिले में किया गया है। विदिशा जिला मुख्यालय पर यह कार्यक्रम रविन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन ऑडिटोरियम के साथ-साथ समस्त शासकीय अशासकीय कॉलेजों में उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें सेमीनार, बेबीनार, फनफेयर एवं शपथ दिलाई जाएगी। इसी प्रकार हरेक आंगनबाडी केन्द्रो पर महिला खेलो का आयोजन, सास बहू सम्मेलन, मतदान केन्द्र आधारित गतिविधियों का आयोजन सम्पूर्ण विदिशा जिले में एक साथ किया जाएगा।

घर-घर एवं बाजार में पीले चावल देकर मतदान करने के लिए किया गया आमंत्रित

सिरोंज। शासन द्वारा चला जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप गतिविधि अंतर्गत मतदाता को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए घर-घर एवं बाजार में जाकर दुकानों पर पीले चावल देकर आमंत्रित किया गया है जिसमें 7 मई 2024 को होने वाले मतदान में 100 प्रतिषत मतदान किया जा सके नगर पालिका सीएमओ के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा मतदाता जागरूकता अभियान में मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन शर्मा द्वारा दुकानों एवं घर-घर जाकर मनुहार पाती आमंत्रण देकर मतदाताओं से मतदान करने की अपील की जा रही है एवं तरह-तरह की गतिविधियां आयोजित की जा रही है पूरे सिरोंज नगर में भ्रमण कर मतदाता के लिए जागरूक किया जा रहा है जिसमें नगर पालिका से ज्योति दुबे एवं संतोष सहरिया द्वारा मतदाता को मतदान करने के लिए को अथक प्रयास कर रहे हैं।

मेट्रो एंकर | ईसीआई की होम वोटिंग सुविधा प्रक्रिया हुई आसान, मतदान प्रक्रिया हुई सुगम

कलेक्टर, एसपी ने 88 वर्षीय वयोवृद्ध महिला मतदाता के घर पहुंचकर कराई होम वोटिंग

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने आज स्वंय विदिशा संसदीय क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम लश्करपुर में पहुंचकर 88 वर्षीय वयोवृद्ध महिला मतदाता श्रीमती श्यामबाई गुर्जर को होम वोटिंग कराई है। होम वोटिंग सुविधा से वयोवृद्ध मतदाता श्रीमती गुर्जर ने सुगमतापूर्वक मतदान किया है मतदान दल के द्वारा मतदाता के घर पहुंचकर मतदान केंद्र की तर्ज पर तमाम प्रबंध सुनिश्चित करते हुए वोट करने की सुविधा मुहैया कराई गई थी।

कलेक्टर ने वयोवृद्ध मतदाता श्रीमती श्यामबाई गुर्जर के घर पहुंचकर सबसे पहले उनका फूल माला से स्वागत किया और अपना परिचय देते हुए आने के उद्धेश्य को रेखांकित किया है। हास्यात्मक वातावरण में मतदाता श्रीमती गुर्जर ने कहा कि मैं कलेक्टर से बडी हूँ। कलेक्टर ने भी उम्र का तकाजा देखते हुए मतदाता का बडा होना स्वीकार करते हुए दोनो हाथ जोड़कर अभिवादन किया। वयोवृद्ध मतदाता श्रीमती गुर्जर ने दोनो हाथो से आशीर्वाद देते हुए शुभकामनाएं अभिव्यक्त की है। इस दौरान विदिशा एसडीएम एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर श्री क्षितिज शर्मा, जनपद सीईओ श्री प्रमोद कुमार खरे समेत अन्य विभागों

के अधिकारी एवं मतदान दल मौजूद रहा।

सिरोंज विधानसभा क्षेत्र में टीम द्वारा 85 आयु वर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं के घर पर पहुँचकर वोटिंग कराई गई।. विधानसभा में कुल 15 मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा मुहैया कराई गई हैं। भारत निर्वाचन आयोग की मंशानुरूप लोकसभा निर्वाचन 2024 में सिरोंज विधानसभा में मंगलवार को होम वोटिंग की प्रक्रिया शुरू हुई. इस दौरान दल द्वारा विधानसभा में 85 प्लस आयु वर्ग के 10 मतदाताओं एवं दिव्यांग 5 मतदाताओं के घर पर पहुँचकर उनकी वोटिंग कराई गई.। वही अतिआवश्यक सेवा के अंतर्गत 2 मतदाताओं ने मतदान किया. इस दौरान मतदान दल के सदस्य मौजूद रहे.।

दिव्यांग व वरिष्ठ मतदाताओं ने सुगमतापूर्वक किया मतदान

होम वोटिंग सुविधा से जिले की पांचो विधानसभाओं में दिव्यांग व 85 प्लस आयुवर्ग के वरिष्ठ मतदाताओं ने सुगमता से मतदान किया है। आज मंगललवार को जिले की विदिशा विधानसभा क्षेत्र की 89 वर्षीय मतदाता श्रीमती मेवाबाई, ग्राम सुआखेड़ी निवासी 99 वर्षीय मतदाता श्रीमती हंसोबाई तथा विदिशा नगरीय क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 18 टीलाखेड़ी के दिव्यांग मतदाता 37 वर्षीय श्री आलोक श्रीवास्तव ने होम वोटिंग सुविधा से सुगमता पूर्वक मतदान किया है। इसके अलावा शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र में दिव्यांग मतदाता शीलाबाई एवं शमशाबाद के ही ग्राम जोहद 88 वर्षीय वयोवृद्ध मतदाता श्रीमती पानबाई एवं वरिष्ठ मतदाता श्री राम सिंह के साथ-साथ जिले के अन्य दिव्यांग व 85 प्लस मतदाताओं ने होम वोटिंग सुविधा से घर पर ही मतदान कर लोकतंत्र के महापर्व में सहभागिता निभाई है।

टीम के चयन का आधार आईपीएल नहीं

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

2 जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिये बीसीसीआई द्वारा टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है।अगर हम इस टीम पर नजर डालें तो फिर एक बात बिल्कुल साफ नजर आती है कि वर्ल्ड कप की इस टीम इंडिया के चयन में मौजूदा आईपीएल के प्रदर्शन के मायने से अधिक खिलाड़ियों के तजुर्बे व नाम को अहमियत दी गयी है। टीम में सबसे अधिक चोंकाने वाली बात के एल राहुल को टीम में जगह न मिलना कही जा सकती है।दरअसल पंत के हालिया फॉर्म को देखते हुए उनकी वापसी तय थी लेकिन संजू सैमसंग को राहुल पर वरीयता देना थोड़ा अटपटा कहा जा सकता है।ऐसा नहीं कि आईपीएल में सैमसन ने ही बल्ले से धमाका किया है।रनों के लिहाज से आईपीएल में राहुल का बल्ला भी चला है । राहुल ने जहां 10 मैचों में 406 रन बनाये हैं वहीं सैमसन के 9 मैचों में 385 रन बने हैं।दोनों खिलाड़ियों के स्ट्राइक रेट में राहुल 143 की तुलना में सैमसन 161 जरूर आगे है,शायद यही एकमात्र वजह उनके चयन की हो सकती है। मेरी नजर में टीम के चयन में सैमसन के अलावा आईपीएल के प्रदर्शन का फायदा एक और खिलाड़ी शिवम दुबे को भी मिला है।दरअसल मध्यक्रम बल्लेबाजी में राहुल की गैरमौजूदगी में गेंदबाजी विकल्प के साथ शिवम दुबे पर चयनकर्ताओं ने दांव खेला है।अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि टीम मैनेजमेंट व कप्तान मध्यक्रम खासतौर से 5वें नंबर की बल्लेबाजी में किसको आजमाते हैं।बल्लेबाजी यूनिट से अलग अगर हम आलराउंडर पर गौर करें तो टीम इंडिया में पंड्या, जडेजा,अक्षर भी शिवम के अलावा टीम का हिस्सा हैं।यह बात वाकई समझ से परे है कि टीम इंडिया के चयन में जडेजा व अक्षर पटेल के एक साथ चयन के मायने क्या हैं।भारतीय सरजमीं पर होने वाले टेस्ट मैचों में इनका एकसाथ चयन किया जाना तो फिर भी सही साबित होता है,लेकिन वनडे या फिर टी20 फॉरमेट में दोनों खिलाड़ियों को मौका देना मेरे नजरिये में उचित नहीं है।दोनों के एक साथ चयन का कितना फायदा होगा यह तो वक्त ही बतायेगा।टीम इंडिया की तेज गेंदबाजी की बात करें तो फिर इसमें भी आईपीएल से ज्यादा अहमियत खिलाड़ियों के नाम और पुराने प्रदर्शन की रही है,जिस वजह से सिराज और अर्शदीप को बुमराह के जोड़ीदार बतौर मौका मिला है।अगर चयन में आईपीएल के कोई भी मायने होते तो फिर सिराज टीम का हिस्सा किसी भी हाल में नहीं हो सकते थे।टीम में अगर विकेट कीपर के बाद सबसे बड़ा फेरबदल देखने को मिला वह है 'कुलचा' का चयन। वनडे के कई मैचों की कुलदीप-चहल की विनर जोड़ी को टी20 में आजमाना बेहद दिलचस्प रहेगा।वैसे उम्मीद कम ही है कि दोनों को एक साथ एकादश में मौका मिलेगा,क्योंकि इस फॉरमेट में गेंदबाजी किरदार के साथ बल्ले की ताकत भी अहम होती है। चयनकर्ताओं ने रिज़र्व खिलाड़ियों की सूची में गिल,रिंकू सिंह, खलील ओर आवेश खान को रखा है।सही मायने में यही सूची है जिसमें आईपीएल के प्रदर्शन को चयन का आधार कहा जा सकता है वरना गिल,और पिछले कुछ समय के सबसे बड़े मैच फिनिशर की ख्याति पा चुके रिंकू सिंह भी रिजर्व की जगह वर्ल्ड कप की टीम इंडिया का हिस्सा होते।

दोनों टीमों की टेस्ट सीरीज नवंबर महीने में होगी शुरू

5 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम जाएगी ऑस्ट्रेलिया, पर्थ में पहला मैच

नईदिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ अपने घर में खेले जाने वाले 5 टेस्ट मैचों के लिए वेन्यू की घोषणा कर दी है. हालांकि पूरे कार्यक्रम की घोषणा अगले कुछ दिन में हो जाएगा. उम्मीद की जा रही है कि सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में खेला जाए. हाल ही में इसी मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज का एक मुकाबला खेला गया था, जहां दर्शकों की संख्या काफी कम रही थी. जिसको देखते हुए वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अपने बेहतर प्रयास से इस स्टेडियम को खचाखच भरने की कोशिश कर रही है. एक रिपोर्ट के अनुसार इस स्टेडियम में 60 हजार नए सीट लगाए जाएंगे. पर्थ में भारतीय टीम ने कई ऐतिहासिक मुकाबला खेला है. इस स्टेडियम के रिनोवेशन के बाद यहां अभी तक 4 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिसमें सभी मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मारी है. रिनोवेशन के बाद इस स्टेडियम में पहला मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया था, जहां कंगारुओं ने भारतीय टीम को 146 रन से शिकस्त दी थी. इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड को भी मात दी है. यहां की पिच तेज गेंदबाजी के लिए फादेमंद मानी जाती है और बड़ी बाउंड्री होने के

नाते यहां रन बनाना बल्लेबाजों के लिए काफी मुश्किल हो जाता है. भारतीय टीम इस साल नवंबर के आखिर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर सकती है. 2014-25 के बाद से भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में हारी नहीं है. 2018-19 में खेली गई सीरीज को भारत ने 2-1 से अपने नाम किया. 2020-21 में भी भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा और इस बार भी भारत ने 2-1 से सीरीज अपने नाम किया. सिर्फ ऑस्ट्रेलिया में ही नहीं भारतीय टीम भारत में भी कंगारुओं पर भारी पड़ी है और 2004 के बाद से कोई सीरीज नहीं गंवाई है।

पिछले ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भारतीय टीम का प्रदर्शन

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को इस साल के अंत में होने वाली टेस्ट सीरीज में हराने का मंत्र पता लगा लिया है. भारत इस साल के अंतिम महीनों में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाला है. दोनों टीमों के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी. सीरीज का पहला मैच पर्थ में होगा और एडिलेड दूसरे टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा होगा. तीसरा और पांचवां टेस्ट क्रमशः ब्रिसबेन और सिड्नी में खेला जाएगा और चौथे मैच यानी बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच की बात करें तो ये पहले की तरह ऐतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा. दोनों टीमों की यह टेस्ट सीरीज साल 2024 के नवंबर महीने में शुरू होगी और अगले साल यानी 2025 के जनवरी महीने तक जारी रहेगी. एक रिपोर्ट में बताया गया है कि एडिलेड में होने वाला सीरीज का दूसरा टेस्ट डे-नाइट मैच होगा. पांच मैच किन मैदानों पर खेले जाएंगे, इसकी पुष्टि कर दी गई है लेकिन अभी तक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सभी मैचों की तारीख का ऐलान नहीं किया है. यह जरूर बताया गया है कि तारीखों का ऐलान मार्च महीने के समाप्त होने से पहले कर दिया जाएगा. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने पिछली 4 टेस्ट सीरीज में जीत दर्ज की है और इस बार भी शानदार लय को जारी रखना चाहेगी।

पिछले साल भारत ने जीती थी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी

पिछले साल यानी 2023 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भारत की मेज़बानी में खेली गई थी. घरेलू सरज़मीं पर खेली गई चार मैचों की टेस्ट सीरीज़ में भारत ने 2-1 से जीत दर्ज की थी. नागपुर में खेले गए सीरीज़ के पहले मुकाबले में भारत ने मेहमान ऑस्ट्रेलिया को एक पारी और 132 रनों से करारी शिकस्त दी थी. इसके बाद दिल्ली में खेले गए दूसरे मुकाबले में मेज़बान भारत ने 6 विकेट से जीत दर्ज की थी. फिर इंदौर में खेले गए तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने पलटवार करते हुए 9 विकेट से जीत हासिल की थी. लेकिन फिर सीरीज़ अहमदाबाद में खेला गया सीरीज़ का आखिरी मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ था. इन दोनों देश के बीच 2020-21 में खेली गई सीरीज से पहले पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट संघ ने पर्थ को एक भी मैच की मेजबानी नहीं मिलने पर नाराजगी व्यक्त की थी। उल्लेखनीय है कि मौजूदा समय में सिर्फ भारत को ही ऐसी टीम माना जा रहा है, जो ऑस्ट्रेलिया को उसी के मैदान पर हराने में सक्षम है।

26 जुलाई से शुरू होंगे पेरिस में ओलंपिक गेम्स

एथेंस (यूनान), एजेंसी

इस साल 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक गेम्स की मशाल मंगलवार को यूनान के ओलंपिया के अभयारण में पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ प्रज्ज्वलित की जाएगी। कलाकारों ने इस समारोह का फुल ड्रेस रिहर्सल किया। खास यह है कि इस मशाल को सूर्य की किरणों से जलाया जाएगा। इसके साथ ही पेरिस ओलंपिक गेम्स की मशाल रिले शुरू हो जाएगी। इस मशाल का आखिरी पड़ाव पेरिस होगा, जहां ओलंपिक खेलों के दौरान यह मशाल लगातार जलती रहेगी। एथेंस में इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों की मशाल जलाने की परंपरा की फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। मंगलवार को रीति-रिवाज के साथ मशाल प्रज्ज्वलित की गई।

88 साल पहले मशाल रिले की शुरुआत

1896 में पहले ओलंपिक खेलों का आयोजन यूनान के एथेंस में हुआ था। उस समय ओलंपिक मशाल जलाने का रिवाज नहीं था, लेकिन 1928 में नीदरलैंड्स के एम्सटर्डम में आयोजित ओलंपिक खेलों से मशाल जलाने का विचार आया। यह फैसला लिया गया कि इस मशाल की लौ को इसी स्थान पर जलाना चाहिए, जहां से इन खेलों की शुरुआत हुई। उसके बाद से प्रत्येक ओलंपिक में मशाल की लौ यूनान के ओलंपिया में प्रज्ज्वलित की जाती है। वहीं, 1936 में बर्लिन (जर्मनी) ओलंपिक गेम्स से ओलंपिक रिले की शुरुआत हुई।

- **11 दिन** तक ओलंपिक मशाल यूनान के अलग-अलग शहरों में जाएगी। इस दौरान 550 से ज्यादा लोग इस मशाल को थामेंगे
- **26 अप्रेल** को यह मशाल एथेंस पहुंचेगी, जहां पैनाथेनिक स्टेडियम में आयोजित समारोह में पेरिस ओलंपिक की आयोजन समिति को सौंप दिया जाएगा।
- **08 मई** को ओलंपिक मशाल मेजबान देश फ्रांस के मार्सिले शहर पहुंचेगी, जहां इसका धूमधाम से स्वागत किया जाएगा।
- **68 दिन** की आधिकारिक यात्रा पर निकलेगी ओलंपिक मशाल और फ्रांस के करीब 65 से ज्यादा शहरों, कस्बों और गांव का भ्रमण करेगी।
- **26 जुलाई** को मशाल वापस पेरिस आएगी, जहां ओलंपिक खेलों का उद्घाटन समारोह होगा। पूरी यात्रा के दौरान 10 हजार से ज्यादा लोग मशाल थामेंगे।

मेट्रो बाजार

स्वास्थ्य बीमा हर साल करीब 15 फीसदी तक हो रहा महंगा

नईदिल्ली, एजेंसी

देश में इलाज का खर्च बढ़ने से स्वास्थ्य बीमा का प्रीमियम पिछले 5-7 वर्षों से हर साल औसतन 15 फीसदी बढ़ रहा है। पिछले पांच वर्षों में इलाज का खर्च दोगुने से भी ज्यादा हो गया है, इस वजह से लोग अब अधिक कवरेज वाला हेल्थ इंश्योरेंस करा रहे हैं। पॉलिसीबाजार की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 5 साल में हेल्थ इंश्योरेंस पर लोगों का सालाना खर्च 8,600 रुपए बढ़ गया है। 2019 में लोग सालाना औसतन 17,900 रुपए हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम चुका रहे थे, जो 2023-24 में बढ़कर औसतन 26,553 रुपए हो गई है। अधिकतर लोग 10 लाख कवरेज वाली पॉलिसी ले रहे हैं। हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम के आंकड़े बताते हैं कि जिन सामान्य बीमारियों के लिए अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है, उनके इलाज की लागत वर्ष 2018 के बाद से अब तक 160 फीसदी बढ़ी है, यानी दोगुनी से भी अधिक हो गई है। वहीं, इंश्योरेंस प्लेटफॉर्म प्लम के मुताबिक, देश में खुदरा महंगाई 5 साल में औसतन 5.4 फीसदी की दर से बढ़ी है, वहीं मेडिकल क्षेत्र में महंगाई दर सालाना 14 फीसदी से ज्यादा बढ़ी है। इससे कंपनियों की ओर से कर्मचारियों के लिए कराए गए ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस की औसत सम इंश्योर्ड राशि 66 फीसदी बढ़कर 5 लाख रुपए हो गई है, जो पहले 3 लाख रुपए थी। सालाना कवरेज वाला स्वास्थ्य बीमा सबसे अधिक बिक रहा अभी, वर्ष 2019 में अधिकतर लोग 2 से 3 लाख रुपए कवरेज वाला हेल्थ इंश्योरेंस करा रहे थे। यह अब 10 बढ़कर 5 लाख रुपए हो गई कंपनियों की ओर से कर्मचारियों के लिए कराए गए ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस की औसत सम इंश्योर्ड राशि, जो 5 साल पहले औसतन 3 लाख रुपए ही थी। बढ़ा मैटरनिटी बेनिफिट भारतीय कंपनियों में, इनकी ओर से अपने कर्मचारियों को दिए जाने वाले कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थकेयर बेनिफिट में भी हुआ करीब 110 फीसदी का इजाफा हुआ है।

सभी बड़ी आइटी कंपनियों में घटे कर्मचारी

मुंबई, एजेंसी। ग्लोबल बैंकिंग संकट, आर्थिक मंदी और भू-राजनीतिक तनाव के कारण पिछला दो साल भारतीय आइटी इंडस्ट्री के लिए निराशाजनक रहा और इनका बिजनेस प्रभावित हुआ। दुनियाभर की टेक कंपनियों में हो रही छंटनी का असर भारतीय आइटी कंपनियों पर भी पड़ा और वित्त वर्ष 2023-24 में देश की टॉप 6 कंपनियों में हेडकाउंट करीब 70,000 घट गया। टॉप 6 आइटी कंपनियों में केवल एचसीएल टेक में पिछले वित्त वर्ष कर्मचारियों की संख्या बढ़ी। इन कंपनियों के एट्रीशन रेट यानी नौकरी छोड़ने की दर में भी गिरावट आई है। वर्ष 2024 में अब तक आइटी कंपनियों के शेयर लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। हालांकि अब इन्हें अधिक ऑर्डर मिलने लगे हैं, जिससे उम्मीद है कि आइटी स्टॉक्स में रिकवरी हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगले 6 माह में आइटी स्टॉक्स में रैली देखने को मिल सकती है। इंफोसिस ने बताया कि 2024 के लिए उसे 17.7 अरब डॉलर के ऑर्डर मिले हैं, जिसमें 52 फीसदी नए ऑर्डर हैं। विप्रो का ऑर्डर बुक 16त्न से ज्यादा बढ़कर 4.6 अरब डॉलर हो गया है। मार्च तिमाही में टीसीएस को रेकॉर्ड 13.2 अरब डॉलर वैल्यू के ऑर्डर मिले।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

सनी देओल के साथ कमबैक के लिए तैयार है प्रीति जिंटा

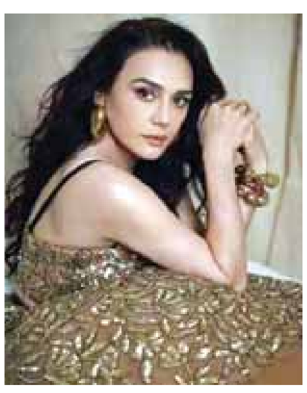

आमिर खान प्रोडक्शंस द्वारा बनाई जा रही फिल्म 'लाहौर 1947' को लेकर फैंस के बीच चर्चा बनी हुई है। इस फिल्म से 90 के दशक के कुछ टॉप एक्टर्स की वापसी होगी। प्रीति जिंटा 'लाहौर 1947' से सिल्वर स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी सनी देओल के साथ दिखेगी. हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर सनी देओल स्टारर फिल्म के सेट से बीटीएस तस्वीरें शेयर कर अपने फैंस को अपडेट किया है। प्रीति जिंटा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'लाहौर 1947' के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इनमें वह राजकुमार संतोषी के साथ नजर आ रही हैं। इन बीटीएस फोटोज में प्रीति ने सेट पर बनाए गए नियमों के बारे में भी बताया है।

प्रीति ने दिखाई पर्दे के पीछे की झलक

प्रीति जिंटा द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में पहली फोटो एक क्लैपबोर्ड की है, जिस पर डायरेक्टर राजकुमार संतोषी के नाम के साथ डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी संतोष सिवन का नाम लिखा हुआ है. दूसरी तस्वीर राजकुमार संतोषी और प्रीति जिंटा की सेल्फी है। तीसरी तस्वीर में वह संतोष सिवन के साथ नजर आ रही हैं. चौथी तस्वीर सेट पर लगे साइन बोर्ड की है, जिसमें से एक हुमन बेस की है. इसके नीचे 'नो फोन ऑन सेट' का नियम भी लिखा हुआ है।

इन फिल्मों में नजर आ चुककी है प्रीति

प्रीति जिंटा ने अपने करियर की शुरुआत 1998 में रिलीज हुई फिल्म 'दिल से' से की थी। उनकी हिट फिल्मों में 'क्या कहना', 'सोल्जर', 'दिल चाहता है', 'चोरी चोरी चुपके चुपके', 'कोई मिल गया', 'कल हो ना हो', 'वीरा जारा', 'कभी अलविदा ना कहना' शामिल हैं। अब एक्ट्रेस लंबे समय के बाद सनी देओल के साथ फिल्म 'लाहौर 1947' से सिल्वर स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं।

कांस में होगा अभिनेत्री स्मिता पाटिल की 'मंथन' का प्रीमियर

मशहूर फिल्म निर्माता श्याम बेनेगल की साल 1976 में आई क्लासिक फिल्म 'मंथन' प्रतिष्ठित कांस फिल्म फेस्टिवल में शामिल होगी। अमिताभ बच्चन ने इस खबर को कंफर्म करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, बहुत गर्व है कि फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन एक उल्लेखनीय पुनर्स्थापना के एक और विश्व प्रीमियर के साथ लगातार तीसरे वर्ष कल फिल्म फेस्टिवल में होगी। श्याम बेनेगल की फिल्म 'मंथन' में स्मिता पाटिल सहित अन्य कलाकारों का खास अभिनय था। फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन, भारत की सर्वश्रेष्ठ फिल्म विरासत को संरक्षित, पुनर्स्थापित करने और दुनिया के सामने प्रदर्शित करने के लिए जो काम कर रहा है, वह अपने आप में अद्भुत है। यह फिल्म भारत के कृषि परिदृश्य में इस क्रांतिकारी युग की कहानी दिखाती है। 'मंथन' को भारत की पहली क्राउडफंडेड फिल्मों में से एक होने का गौरव मिला था, जिसमें पांच लाख किसानों ने इसके निर्माण में सहायता के लिए दो रुपए का योगदान दिया था। फिल्म को समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। वर्ष 1977 में हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म और विजय तेंदुलकर के लिए सर्वश्रेष्ठ पटकथा के लिए दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी जीते। इसने 1976 के अकादमी पुरस्कारों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया।

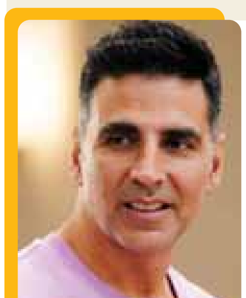

अनीस बज्मी ने बताया क्यों नहीं चल रहीं अक्षय कुमार की फिल्में

अक्षय कुमार की हाल ही रिलीज फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी। नतीजा फिल्म का कोई फायदा अक्षय कुमार को नहीं मिला। इससे पहले भी अक्षय की कई फिल्में दर्शकों को आकर्षित करने में नाकामयाब रही हैं। वह भी तब जबकि अक्षय एक साल में चार-चार फिल्में करते हैं। हाल ही में 'भूल भुलैया 3' के निर्देशक अनीस बज्मी ने बताया कि अक्षय कुमार की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर क्यों अच्छी कमाई नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा हो सकता है कि वह गलत स्क्रिप्ट चुन रहे हों या फिर वह गलत लोगों के साथ काम कर रहे हों, जो उनके टैलेंट के साथ पूरी तरह से न्याय नहीं कर पा रहे हैं। वे एक बहुत ही अच्छे इंसान हैं और एक्शन हो या डांस या उनके कॉमिक टाइम की बात करें तो वह कुछ भी कर सकते हैं। मुझे लगता है कि वह कम्प्लीट एक्टर हैं। अनीस ने कहा,'अक्षय बचपन से ही स्टार हैं और कई ऐसे सितारे हैं, जिनके कॅरियर में उतार-चढ़ाव आए है, लेकिन इसके पीछे भी कोई अच्छी वजह ही होती है। वे एक बहुत ही अच्छे इंसान हैं और एक्शन हो या डांस या उनके कॉमिक टाइम की बात करें तो वह कुछ भी कर सकते हैं। मुझे लगता है कि वह कम्प्लीट एक्टर हैं।' बता दें कि अक्षय और अनीस बज्मी की जोड़ी ने 'वेलकम', 'वेलकम बैक', 'सिंह इज किंग', 'आंखें' सहित कई फिल्मों में साथ काम किया है। इनकी जोड़ी जब भी स्क्रीन पर आई, तो उन्होंने साथ मिलकर धमाल ही मचाया और दर्शकों को खूब हंसाया।

जहरीला पदार्थ पीकर 17 साल के नाबालिग ने की आत्महत्या

परिजन लेकर पहुंचे अस्पताल, इलाज के दौरान हुई मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पुरानी बस्ती बागमुगलिया में 17 साल की नाबालिग ने जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन उसे एम्स लेकर पहुंचे थे। वहां इलाज के दौरान मंगलवार शाम नाबालिग की मौत हो गई। बागसेवनिया पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चुरी में भेज दिया है। घटनास्थल का गोविंदपुरा थाना क्षेत्र का होने के कारण मर्ग जांच गोविंदपुरा पुलिस द्वारा की जाएगी।

पुलिस के अनुसार सपना पिता राधेश्याम अलावा (17) पुरानी बस्ती बागमुगलिया में रहती थी। मूलतः नूरगंज, थाना अब्दुल्लागंज जिला रायसेन निवासी सपना के पिता राधेश्याम यहां परमार के खेत पर हाली का काम करते हैं और परिवार परमार के खेत पर ही रहता है। राधेश्यामल ने पुलिस को बताया कि गत 25 अप्रैल को सपना ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। उल्टियां होने पर परिजन उसे एम्स लेकर पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान सपना की मंगलवार शाम मौत हो गई। अस्पताल से सपना की मौत की सूचना बागसेवनिया पुलिस को दी गई और बागसेवनिया पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया। पुलिस का कहना है कि मरने से पहले सपना के बयान नहीं हो सके थे। मां के बयान लिए गए, लेकिन बयान में आत्महत्या के कारण का पता नहीं चला है।

गोली मारकर आत्महत्या करने वाले छात्र पर आर्म्स एक्ट की कार्रवाई

कोलार रोड स्थित आईबीडी कैंपस में कट्टे से गोली मारकर खुदकुशी करने वाले दसवीं कक्षा के छात्र के खिलाफ पुलिस ने आर्म्स एक्ट का केस दर्ज किया है। अब इस बात की जांच की जाएगी की छात्र ने उक्त कट्टा कहां से प्राप्त किया था। जानकारी के अनुसार अंश अरजरिया (16) कोलार रोड स्थित आईबीडी कालोनी में पहली मजिल पर रहता था औरएक नामी स्कूल में दसवीं कक्षा में पड़ता था। परिवार में माता-पिता के अलावा एक छोटा भाई है। उसके पिता एक आरओ कंपनी में प्रायवेट काम करते हैं, जबकि मां पास ही बुटिक चलाती हैं। पिछले साल 26 दिसंबर की शाम को अंश ने अपने सीने पर गोली मार ली थी। परिजनों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया था। मर्ग जांच के दौरान पता चला कि छात्र पड़ाई को लेकर तनाव में रहता था, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया था। उसके पास कट्टा मिला था, जिसे पुलिस ने जब्त किया था। इस कारण पुलिस ने छात्र के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। अब इस बात की जांच की जाएगी कि उसे कट्टा कहां से मिला था।

नाबालिग बेटी के साथ पिता ने की अश्लील हरकत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज पुलिस ने एक नाबालिग लड़की की रिपोर्ट पर पिता के खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी नौवीं कक्षा में पढ़ती है। पिछले कुछ दिनों से पिता उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट कर रहा था। सोमवार को पीड़िता ने विरोध किया तो पिता ने उसके साथ अश्लील हरकत कर दी। उसके बाद नाबालिग अपनी मां के साथ थाने पहुंची और पिता के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया।

अवैध शराब के साथ पकड़ाया फरार वारंटी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छोला मंदिर पुलिस हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 24 हजार की अवैध शराब भी जब्त हुई है। पुलिस के मुताबिक बीती रात काम्बिंग गश्त के दौरान सूचना मिली कि एक युवक स्कूटर पर अवैध शराब लेकर जाने वाला है। पुलिस ने कल्याण नगर के पास संदेही को रोका तो उसके पास तीन सौ क्वार्टर अवैध शराब रखी मिली। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अरुण विश्वकर्मा (21) निवासी कल्याण नगर छोला मंदिर बताया। आरोपी हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहा था। उसके खिलाफ कोर्ट ने वारंट जारी कर रखा था।

एमपी नगर में करंट लगने से मजदूर की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल। एमपी नगर स्थित ईओडब्ल्यू कार्यालय में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान मंगलवार को एक मजदूर को करंट लग गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक करण कुमार (24) भीमनगर में रहता था और मजदूरी करता था। इन दिनों वह ईओडब्ल्यू कार्यालय में चल रहे निर्माणाधीन स्थल पर काम कर रहा था। दोपहर के पास बाउंड्री के पास स्थित गड्ढे में हाथ-मुंह धोने पहुंचा था। इसी गड्ढे के पास एक बिजली का तार पड़ा था, जिसमें करंट था। हाथ धोते समय करण कुमार को बिजली का करंट लग गया। साथी मजदूर ने लोगों को बताया कि उसे तुरंत ही इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद करण को मृत घोषित कर दिया।

शातिर वाहन चोर से चार दो पहिया वाहन बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर चोरी के चार दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। आरोपी गली-मोहल्लों में घूमकर नाक-कान छेदने (मनिहारी) का काम करता था और इसी दौरान वाहनों की रैकी करता था। बाद में मास्टर चाबी से लाक खोलकर वाहन चोरी कर लेता था। चोरी के वाहन में पेट्रोल खत्म होने के बाद वह उसे लावारिश छोड़ देता था। पुलिस के मुताबिक बागसेवनिया और अन्य इलाकों में लगातार दोपहिया वाहन चोरी की शिकायत मिल रही थी। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज निकालकर रूटमैप तैयार किया। उसके बाद एक संदेही नीलेश गिरी (20) निवासी नोबल स्कूल के पास, गिरी मोहल्ला बागमुंगालिया को हिरासत में लिया गया। पूछताछ करने पर पहले तो उसने पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन जब पुलिस ने सख्ती दिखाई तो कई इलाकों से दोपहिया वाहन चोरी करना स्वीकार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर बागसेवनिया, टीटी नगर और मिसरोद थाना क्षेत्र से चोरी किए गए चार दोपहिया वाहन बरामद किए गए हैं। आरोपी बदल-बदल कर बाइक चलाने का शौकीन है। नशे की हालत में वह मास्टर चाबी से दोपहिया वाहन चोरी करता था और बाद में लावारिश हालत में छोड़ देता था।

रिटायर्ड डीएसपी से तीन लाख की धोखाधड़ी, मामला दर्ज

रिटायर्ड डीएसपी से धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपी 3 लाख रुपए का सोना लेकर फरार हो गया। अवधपुरी पुलिस ने बताया कि नरेंद्र कुमार नाहर अजाक डीएसपी से 2018 में सेवानिवृत हुए हैं और अवधपुरी में रहते हैं। पत्नी शकुंतला ने 2015 से 2021 के बीच जयंत सोनी को गहने बनाने के लिए 3 लाख रुपए का सोना दिया था, लेकिन सोनी ने नाहर को अब तक न तो गहने बनाकर दिए न ही पैसे लौटाए। सोनी ने जैसे-तैसे कर नाहर को 30 हजार रुपए दिए। इसके बाद भोपाल से मकान और दुकान बेच कर फरार हो गया। आरोपी फोन भी नहीं उठा रहा है। नाहर की शिकायत पर पुलिस धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया।

जिला पुलिस बल के 14 अधिकारी, कर्मचारी रिटायर, कमिश्नर ने दी भावभीनी विदाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिला पुलिस बल भोपाल में पदस्थ रहे 14 अधिकारी और कर्मचारी मंगलवाल को रिटायर हो गये। इन कर्मचारियों के खिलाफ विदाई और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त हरिनारायण चारी मिश्र और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी ने सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को उपहार एवं श्रीफल भेंट कर भावभीनी विदाई दी तथा उनके स्वस्थ्य एवं सुखी जीवन की शुभकामनाएं दी। पुलिस आयुक्त मिश्र ने अपने संबोधन में सभी अधिकारियों तथा उनके परिजनों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद सभी की दिनचर्या में अक्सर बहुत ज्यादा परिवर्तन आ जाता है, जिस कारण स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। इससे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य खराब हो जाता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है, वृद्धावस्था में स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील रहें। भोपाल पुलिस परिवार हमेशा आप लोगों के साथ है। मंगलवार को एसआई अनीता कांबले, देवीराम, धर्म सिंह आर्य, अनिल दुबे, कार्यवाहक एसआई मोहन प्रसाद गुप्ता, बाबूराम खनाल, अबू बकर सिद्दीकी, एएसआई विष्णु प्रसाद मालवीय, कदार सिंह प्रणाम, नाथू सिंह धुर्वे, सुरेंद्र सिंह भदोरिया, ढील्या प्रसाद बैन, रामदयाल बंसल और हेड कांस्टेबल भगवत सिंह चौहान सेवानिवृत्त हुए।

मेट्रो एंकर — यूपीएससी में चयनित पुलिसकर्मियों के बच्चों को डीजीपी ने दी बधाई

कठोर परिश्रम, ईमानदारी और संतुलित आचरण से आप आदर्श अधिकारी साबित होंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सिविल सर्विसेस 2023 (यूपीएससी) के हाल ही में घोषित परिणाम में मध्यप्रदेश पुलिस परिवार के बच्चों ने सफलता अर्जित की है। सतना जिले में पदस्थ एसआई विजय सिंह की पुत्री काजल सिंह और रायसेन (सांची) में एएसआई के पद पर पदस्थ राजू यादव की पुत्री दिव्या यादव का यूपीएससी में चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि पर मंगलवार को डीजीपी सुधीर सक्सेना ने दोनों को सम्मानित किया। इस मौके पर काजल सिंह के पिता एसआई विजय सिंह व माता मीरा सिंह और दिव्या यादव के पिता एएसआई राजू यादव व माता कल्याणी यादव उपस्थित थीं। इस अवसर पर डीजीपी सक्सेना ने कहा कि गंभीरता, व्यवसायिक दक्षता, कठोर परिश्रम, ईमानदारी, संतुलित आचरण तथा सद्व्यवहार से ही आप आदर्श अधिकारी साबित होंगे। उन्होंने कहा कि सेवा में आने के बाद आप हर कार्य को गंभीरता से करें और प्रकरण में डिटेल में जांच करें। कई चीजें होंगी, जो आपको प्रलोभित करेंगी, लेकिन मन में भटकाव की स्थिति न लाएं। डीजीपी ने कहा कि यह पुलिस परिवार के लिए गौरवान्वित करने वाला क्षण है। पुलिस परिवार की बेटियों ने सीमित सुविधाओं के बावजूद अपने कठिन परिश्रम और लगन से सिविल सर्विसेस में चयनित होकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। हमारे अन्य पुलिस कर्मियों और उनके बच्चों को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। विपरीत परिस्थियों और चुनौतियों के साथ-साथ हमारे पुलिस जवानों ने परिवार को दिशा दी। देशभक्ति-जनसेवा के ध्येय वाक्य को सार्थक करते हुए आपने पारिवारिक दायित्व को भी बखूबी निभाया है।

सतना जिले में एसआई विजय सिंह की बेटी काजल का कहना है कि बचपन से पिता के संघर्षों को देखा है। पिताजी के कठिन परिश्रम को देखते हुए मैंने भी इसे आत्मसात किया। इसमें मां की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने हमेशा मुझे इस बात के लिए प्रेरित किया कि मुझे आत्मनिर्भर बनना है। मेरा सपना है कि मैं सिविल सेवा में आने के बाद महिला सशक्तिकरण के लिए प्रयास करूं। दिव्या ने बताया कि पिता की पहली नियुक्ति आरक्षक के पद पर हुई थी। बचपन से ही मैं और मेरे भाई ने उनके संघर्षों को देखा है। अधिकतर पिता की ड्यूटी ग्रामीण क्षेत्र के थानों और चौकियों में होती थी। हम भाई-बहनों के उज्ज्वल भविष्य के लिए माता-पिता ने हमें नर्मदापुरम में ही रहकर पढ़ाने का फैसला किया। मां कल्याणी यादव के साथ रहकर हम दोनों ने पढ़ाई की।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेडी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** संपादक **आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022